RNI No. 62592/95
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 31 अंक : 44 सोमवार 27 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : ₹3/=

महाकुंभ 2025 में जाने वाले यात्रियों को यदि... ...7

पूरे देश में उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

नई दिल्ली। पूरे देश में रविवार को 76वां गणतंत्र दिवस उत्साह, उमंग एवं उल्लास के साथ मनाया गया तथा विभिन्न राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालयों, राजनीतिक दलों और सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। वहीं राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समारोह में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, एकता, समानता, विकास और सैन्य कौशल का अनूठा मिश्रण देखने को मिला। कर्तव्य पथ पर आयोजित मुख्य समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस वर्ष राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में 'जनभागीदारी' बढ़ाने के सरकार के उद्देश्य के अनुरूप परेड देखने के लिये लगभग 10 हजार विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया था। इनमें विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और सरकार की योजनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करने वाले लोग शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस परेड पूर्वाह्न 10.30 बजे शुरू हुयी और लगभग 90 मिनट तक चली। समारोह की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जाने से हुयी, जहां उन्होंने देश के वीरों को पुष्पांजलि अर्पित किये। इसके बाद, प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य लोग परेड देखने के लिये कर्तव्य पथ पर सलामी मंच की ओर बढ़ें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो 'पारंपरिक बग्गी' में सवार होकर कर्तव्य पथ पर आए। गौरतलब है कि यह प्रथा 40 वर्षों के अंतराल के बाद 2024 में फिर से शुरू की गयी थी। राष्ट्रपति के अंगरक्षक, भारतीय सेना की सबसे वरिष्ठ रेजिमेंट द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की गयी।

राष्ट्रपति के आगमन के बाद परंपरा के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद 105-एमएम लाइट फील्ड गन, एक स्वदेशी हथियार प्रणाली का उपयोग करके 21 तोपों की सलामी दी गयी और राष्ट्रगान हुआ। परेड की शुरूआत देश के विभिन्न हिस्सों के संगीत वाद्ययंत्रों के साथ 'सारे जहां से अच्छा' ध्वनित करते हुये 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा की गयी। वाद्ययंत्रों का यह स्वदेशी मिश्रण हर भारतीयों के दिलों की धुन, ताल और उम्मीदों से गूंज उठा। वाद्ययंत्रों के इस समूह में शहनाई, सुंदरी, नादस्वरम, बीन, मशक बीन, रणसिंह - राजस्थान, बांसुरी, करदी मजालू, मोहुरी, शंख, तुतारी, ढोल, गोंग, निशान, चंग, ताशा, संबल, चेंडा, इडक्का, लेज़िम, थविल, गुदुम बाजा, तालम और मोनबाह शामिल थे।

इसके बाद सर्वोच्च वीरता पुरस्कारों के विजेता शामिल हुये। इनमें परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर संजय कुमार (सेवानिवृत्त) तथा अशोक चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल जस राम सिंह (सेवानिवृत्त) शामिल रहे। कर्तव्य पथ पर देश की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश दशार्ती कुल 26 झाकियां निकाली गयी, जिनमें 16 राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों और 10 केंद्र सरकार के मंत्रालय/विभागों की झांकियां शामिल थीं।

कर्तव्य पथ से निकलने वाली इन सभी झांकियों में स्वर्णिम भारतः विरासत और विकास को दशार्या गया। झांकियों में भारत की विविध शक्तियों और इसके निरंतर विकसित होते सांस्कृतिक समावेश के शानदार भविष्य को प्रदर्शित किया गया। राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की भाग लेने वाली झांकियों में पहली झांकी गोवा की रही।

गणतंत्र दिवस के अवसर देशभर में कार्यक्रमों की धूम रही। राजस्थान में उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। राज्यपाल ने झंडा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और सलामी गारद द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। लखनऊ से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर झंडारोहण किया और कहा कि देश का संविधान हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नयी प्रेरणा प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने गणतंत्र दिवस के अवसर राजधानी रायपुर में ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा , हमारी परंपरा में जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी की बात कही गई है। जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से बढ़कर हैं। हमारी इस सुंदर धरती भारत माता के 76 वें गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाने, हम सब आज एकत्र हुए हैं।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत राज्य के प्रमुख शहरों में गणतंत्र दिवस परंपरागत तरीके से हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन यहां लाल परेड मैदान में संपन्न हुआ, जहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भव्य एवं आकर्षक परेड की सलामी ली। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मुरैना जिला मुख्यालय पर तिरंगा फहराया और आकर्षक परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित भव्य एवं गरिमामय आयोजन में तिरंगा फहराकर आकर्षक परेड की सलामी ली।

जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मार्च पास्ट का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा , ह्लहम जम्मू-कश्मीर की शांति, समृद्धि और विकास का संकल्प लेते हैं और हमारी सरकार लोगों को न्याय दिलाने में भी भूमिका निभायेगी।'

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने रविवार को परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और भव्य परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में श्री गुरमीत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पदक अलंकरण कर सम्मानित किया। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शित झांकियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमशः सूचना विभाग, संस्कृत शिक्षा विभाग तथा शिक्षा विभाग की झाँकी को दोनों ने सम्मानित किया।

ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने महात्मा गांधी मार्ग पर आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर कम से कम दस झाँकियों में देशभक्ति, सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण विकास, प्रौद्योगिकी और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास वृद्धि जैसे विषयों को प्रदर्शित किया गया।

मेघालय के राज्यपाल सी एच विजयशंकर ने शिलांग के पोलो मैदान में गणतंत्र दिवस परेड में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। श्री विजयशंकर ने दो घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान मेघालय पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एनसीसी लड़कों , एनसीसी लड़कियों, मेघालय भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सेक्रेड हार्ट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल, होली चाइल्ड सेकेंडरी स्कूल, असम राइफल्स पब्लिक स्कूल की घुड़सवार टुकड़ी, बॉर्डर विंग होमगार्ड्स और सीमा सुरक्षा बल के ब्रास बैंड सहित सुरक्षा बलों की सलामी भी ली।

मंत्रोच्चार के बीच गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने लगाई संगम में डुबकी

महाकुम्भनगर। गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मठों, मंदिरों और अखाड़ों के संतों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संगम में पवित्र डुबकी लगाई। संत समाज ने उन्हें वैदिक विधि से स्नान करवाया और मां गंगा का पावन जल गृहमंत्री पर छिड़ककर पूजा-अर्चना कराई। स्नान के बाद गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने संगम पर ही विशेष पूजा अर्चना की और संगम आरती में भी हिस्सा लिया। इस दौरान, गृहमंत्री अमित शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह और पुत्र वधु व पोतियों ने भी स्नान और पूजा पाठ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृहमंत्री को कुम्भ कलश भी भेंट में दिया, जबकि साधु संतों ने उन्हें माला पहनाई और चंदन व टीका लगाया।

भगवा वस्त्रों में गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद, निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाशानंद और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी, बाबा रामदेव समेत अन्य संतों के साथ संगम में डुबकी लगाई। संतों ने गृहमंत्री को वैदिक विधि से स्नान कराया और उन पर संगम का जल छिड़का। इसके बाद गृहमंत्री ने सूर्य को अर्घ्य भी दिया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों ने गृहमंत्री और मुख्यमंत्री की संगम स्थल पर ही विशेष पूजा अर्चना संपन्न कराई और फिर विशेष संगम आरती का भी आयोजन हुआ। संगम पर मां गंगा, यमुना और सरस्वती के जयकारे गूंजे। इस दौरान शाह परिवार के सबसे छोटे सदस्य को भी संतों का आशीर्वाद मिला। पूजा की वेदी पर मुख्यमंत्री योगी ने भी बच्चियों को दुलराया और उनसे हंसी ठिठोली की। इसके बाद हर हर महादेव के उद्घोष के बीच शाह और योगी ने मां गंगा और भगवान भास्कर को प्रणाम किया।

अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम स्नान के बाद वैदिक मंत्रों और श्लोकों के बीच पूजन अर्चन किया। पूजा के बाद संगम आरती भी कराई गई। इस दौरान गृहमंत्री के साथ उनकी पत्नी, पुत्र, पुत्रवधु समेत पूरा परिवार मौजूद रहा। परिवार के लोगों ने भी स्नान के बाद पूजा और आरती में हिस्सा लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह मंत्री को चांदी का कुम्भ कलश भेंट किया। यहां से वो सीधा अक्षय वट के लिए रवाना हो गए। संगम स्नान और पूजन के दौरान उनके साथ जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि, निरंजनी अखाड़े के पीठाधीश्वर कैलाशानंद, बाबा रामदेव, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी, जूना अखाड़े के हरिगिरि समेत तमाम अखाड़ों के वरिष्ठ महंत भी मौजूद रहे।

देश हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की प्रेरणा देता है: सीएम योगी

- सीएम ने गणतंत्र दिवस पर अपने सरकारी आवास पर फहराया तिरंगा, प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपने सरकारी आवास पर ध्वज फहराया। इस मौके पर उन्होंने पूरे प्रदेशवासियों को 76वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन भारत ने अपना संविधान लागू करते हुए एक संप्रभु संपन्न लोकतांत्रित गणतंत्र भारत के रूप में अपनी एक नई यात्रा को प्रारंभ करने का निर्णय लिया था। एक लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ।

देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में भारत ने एक संविधान सभा का गठन किया। संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद को एक माला के रूप में पिरोने का उत्तरदायित्व बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को दिया गया जिन्होंने 26 नवंबर 1949 को एक मसौदा संविधान सभा के सामने सौंपा और अनंतः 26 जनवरी 1950 को ये देश खुद का संविधान लागू करने में सफल हो पाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत का संविधान हमें न्याय, समता और बंधुता के साथ जुड़ने की एक नई प्रेरणा प्रदान करता है। सम और विषम परिस्थितियों में यह पूरे भारत को एकता के सूत्र में बांधने में सफल रहा है। आज के इस अवसर पर जब हम भारत के संविधान के लागू होने के 75 वर्ष को पूरा कर रहे हैं, इस अवसर पर मैं भारत माता के महान सपूतों को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने संविधान सभा के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि यह बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के नेतृत्व का परिणाम है कि आज भारत के पास एक समावेशी और प्रगतिशील संविधान है।

उन्होंने कहा कि 75 वर्षों की ये यात्रा हमें अमृत काल से जोड़ती है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को न्याय देने के लिए हमारा सबसे बड़ा मार्गदर्शक है। हर नागरिक को बिना भेदभाव के न्याय मिले और पूरा भारत एकता के सूत्र में बंधकर करके भारत की समृद्धि के बारे में सोचे ये प्रेरणा भारत का संविधान देता है।

सीएम योगी ने कहा कि आज हम सबके सामने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है और ये भारत के संविधान का अनुसरण करके ही पूरा किया जा सकता है। आज के इस अवसर पर जब भारत के संविधान के उस मूल प्रति का हम अवलोकन करते हैं तो हम भारतीय संस्कृति की गहराई और ऊंचाई का अंदाजा लगा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान के प्रति इस बात के लिए भी गौरव की अनुभूति करनी चाहिए कि दुनिया में सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का सौभाग्य हमारे देश के पास है। यहां बिना भेदभाव के सभी को मताधिकार की ताकत प्राप्त हुई। आज आधुनिक लोकतंत्र का श्रेय लेने वाले तमाम देश हैं, लेकिन वहां रंगभेद तो कहीं आधी आबादी महिलाओं को भी यह ताकत नहीं मिली है। भारत अपने यहां ये सब पहले ही दिन से लागू कर चुका है। हम सब अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करें तो आने वाले समय में अगले 25 वर्ष का जो पीएम मोदी ने संकल्प देशवासियों को दिया है, वह विकसित भारत 25 सालों में देशवासियों के सामने होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान जाति, धर्म, भाषा और लिंग के भेदभाव के बिना हर नागरिक को समान अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब विश्व के कई लोकतांत्रिक देशों में महिलाओं और वंचित वर्गों को मतदान का अधिकार नहीं था, तब भारत ने पहले ही दिन से यह सुनिश्चित किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को 'आधुनिक रामराज्य' का स्वरूप बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं, जिनसे करोड़ों लोगों को लाभ मिला। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने अपने बधाई संदेश में कहा कि गणतंत्र दिवस का पर्व हम सभी को एक सूत्र में बांधने वाली भारतीयता के गौरव का उत्सव है। हमारा संविधान प्रत्येक भारतीय नागरिक के अधिकारों व कर्तव्यों का मार्गदर्शन करता है।

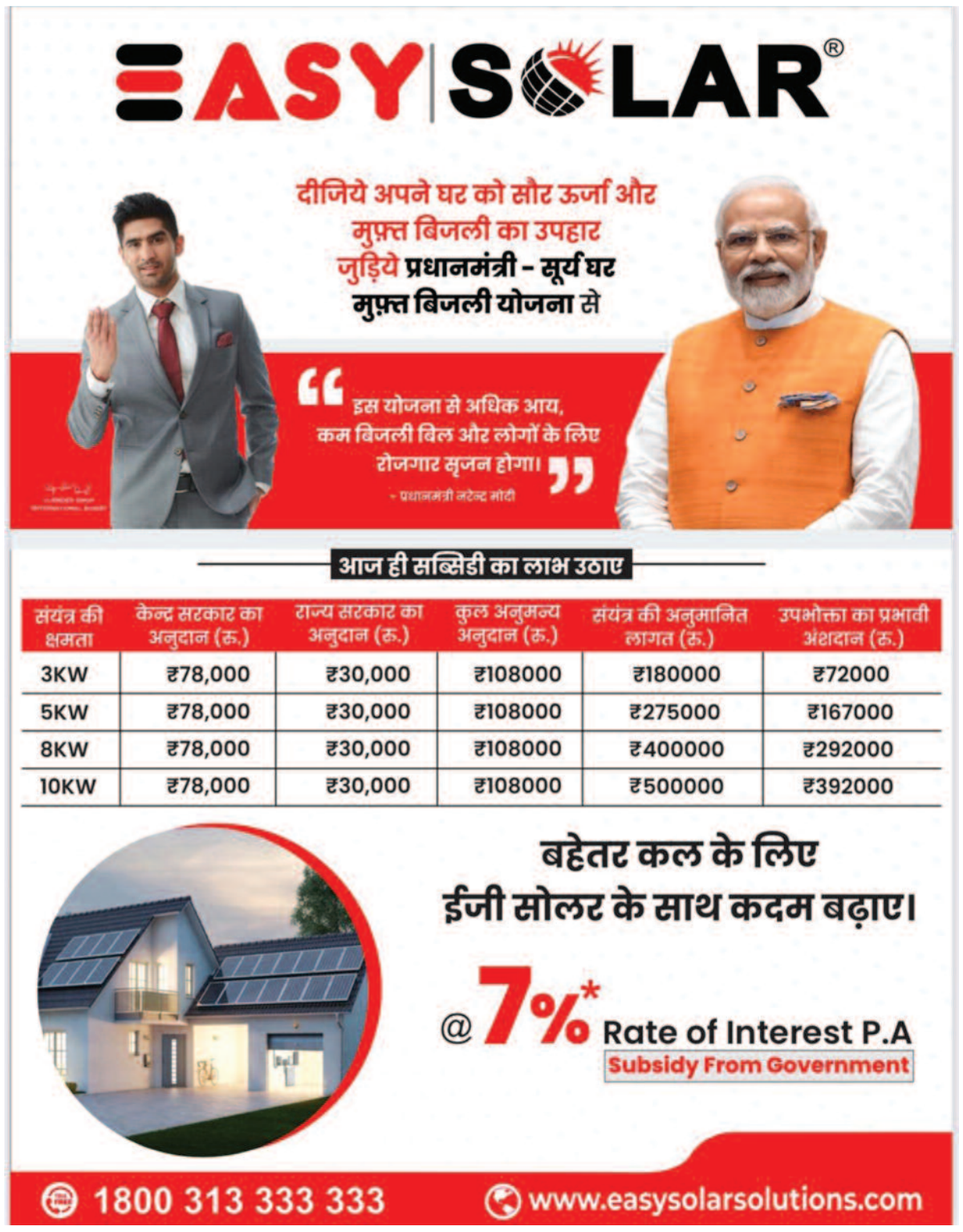

गणतंत्र दिवस पर जीडीए ने किया 'रन फॉर रिपब्लिक' का आयोजन, डीएम ने किया शुभारंभ

मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना में कराई गई दौड़ प्रतियोगिता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- 18 वर्ष से कम आयु के लिए 1.5 कि.मी. व 18 वर्ष से ऊपर की आयु वाले दौड़े 3.5 कि.मी.
- सभी आयु वर्ग के लोगों ने दौड़ में लिया उत्साह के साथ भाग, विजेताओं को किया पुरस्कृत

गाजियाबाद। गणतंत्र दिवस के मौके पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा बेहतरीन आयोजन किया गया। जीडीए प्रांगण में जीडीए वीसी द्वारा राष्ट्रध्वज फहराया गया और इसके बाद मधुबन-बापूधाम में रन फॉर रिपब्लिक यानी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस दौड़ प्रतियोगिता का गाजियाबाद के नवनियुक्त जिलाधिकारी आईएएस दीपक मीणा ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता को दो कैटेगरी में बांटा गया था। 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों के लिए डेढ़ किलोमीटर व 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए साढ़े तीन किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। इस दौड़ प्रतियोगिता में सभी आयु वर्ग के लोगों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने जीडीए द्वारा कराए गए इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए रन फॉर रिपब्लिक में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को गणतंत्र दिवस की शुभाकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद विकास प्राधिकरण शहर को सुंदर और सुव्यस्थित बनाने में अग्रसर है। गाजियाबाद की पहचान पूरे प्रदेश और देश में अलग ही दिखाई देती है। उन्होंने जीडीए समेत सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर गाजियाबाद को और बेहतर बनाने के प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने जिलाधिकारी दीपक मीणा का धन्यवाद करते हुए कहा कि गाजियाबाद के विकास को लेकर कई योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। हरनंदीपुरम योजना को साकार करने के लिए लगातार वर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरनंदीपुरम योजना को गाजियाबाद के विकास का एक मॉडल बनाने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने मैराथन दौड़ के सफल आयोजन के लिए जीडीए के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी। रन फॉर रिपब्लिक में जीडीए वीसी अतुल वत्स के साथ-साथ जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह, वित्त नियंत्रक ए के वाजपेयी, जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह, ओएसडी श्रीमती गुंजा सिंह, श्रीमती कनिका कौशिक, सभी अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, प्राधिकरण का अन्य स्टाफ, दूर दूर से आये अन्य प्रतिभागियों के साथ दौड़े। सभी प्रतिभागियों के लिए जीडीए द्वारा बेहद अच्छी व्यवस्था की गई थी। देश भक्ति के तरानों के साथ तिरंगा छपी सफेद टीशर्ट में दौड़ रहे प्रतिभागियों में गजब का उत्साह था। पूरा क्षेत्र देश भक्ति से ओतप्रोत दिखाई दे रहा था। प्रतिभागियों की सुरक्षा का भी बेहद ख्याल रखा गया। जीडीए के पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में संबंधित थाने के टीम के साथ प्राधिकरण का पुलिस बल भी मौजूद रहा। मैराथन विजेताओं को जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा ट्रॉफी, मेडल व बैंक चेक देकर सम्मानित किया गया। 3.5 किमी. कैटेगरी में प्रथम स्थान हर्ष ने हासिल किया जबकि द्वितीय पुरस्कार अनिल कुमार को मिला। 1.5 कि.मी (18 वर्ष से कम आयु के लिए) कैटेगरी में केशव वर्मा को पहला व मोहित को द्वितीय पुरस्कार मिला। अन्य सभी को जिन्होंने मैराथन दौड़ को पूरा किया उन्हें भी विशेष सांत्वना पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाकर जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा इस आयोजन का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इसके पश्चात मधुबन बापूधाम योजना मे अधिकारियों द्वारा पौधारोपण किया गया जिसमे 500 फलदार पौधों को लगाया गया।

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने कलैक्ट्रेट में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

हमें अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी के साथ पालन करना चाहिए: जिलाधिकारी दीपक मीणा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 76वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा कलैक्ट्रेट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। तदोपरांत राष्ट्रगान गाया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा इस अवसर पर शपथ भी दिलाई गयी। कार्यक्रम के दौरान कलैक्ट्रेट प्रांगण में केडीबी पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं द्वारा देश भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। जिलाधिकारी ने प्रस्तुति देने वाले छात्र–छात्राओं को मिठाई व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान एक जीवित संविधान माना जाता है। इसका मतलब है कि समय के साथ इसमें परिवर्तन और संशोधन की संभावनाएं हैं, जो समाज और समय की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप इसे समायोजित करते हैं। संविधान हमें स्वतंत्रता के अधिकार देता है। हम सभी को अपने अधिकारों के साथ–साथ अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी के साथ पालन करना चाहिए। जिला प्रशासन की ओर से सभी जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकानाऐं प्रेषित करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

कार्यक्रम के समापन पर सभी आगुन्तकों को मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नाजिर प्रमोद कुमार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, एडीएम न्यायिक अंजुम बी., सिटी मजिस्ट्रेट संतोष कुमार उपाध्याय, सीटीओ पुष्पांजलि, एसडीएम सदर अरूण दीक्षित, एसडीएम न्यायिक लोनी निखिल चक्रवर्ती, एसडीएम न्यायिक मोदीनगर सन्तोष कुमार राय, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारियों सहित सभी प्रशासनिक अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

वॉकी टॉकी के माध्यम से नगर आयुक्त ने टीम को दिए निर्देश, हाईटेक पद्धति से निगम के कार्यों को मिल रही है रफ्तार

विभागों के आपसी समन्वय से जन समस्याओं के समाधान में भी आएगी तेजी: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम जन समस्याओं के समाधान को और अधिक रफ्तार देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है इसी क्रम में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के द्वारा वॉकी-टॉकी के माध्यम से टीम को संयुक्त रूप से निर्देशित करने का कार्य किया जा रहा है।

वॉकी-टॉकी के माध्यम से एक ही समय में समस्त विभागीय अधिकारियों तथा समस्त संबंधित स्वास्थ्य व अन्य टीम को सरलता से निर्देश दिए जा रहे हैं, तथा कार्य की रफ्तार बढ़ाई जा रही है जो कि शहर के लिए लाभदायक सिद्ध हो रहा है।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र द्वारा बताया गया स्वास्थ्य विभाग तथा उद्यान विभाग की टीम को विशेष रूप से वॉकी टॉकी दिए गए हैं जिसके माध्यम से एक ही समय में अधिकारी पूरी टीम को निर्देशित करते हुए कार्य कर रहे हैं नगर आयुक्त महोदय के नेतृत्व में सराहनीय पहल है जिसका उपयोग जन समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है स्वास्थ्य विभाग के सफाई नायक, सेनेटरी इंस्पेक्टर, चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर, उद्यान विभाग की सुपरवाइजर, समस्त विभागों अधिशासी अभियंता, अवर अभियंताओं तथा सभी जोनल प्रभारी सहित विभागीय अधिकारियों को भी वॉकी टॉकी उपलब्ध कराया गया है कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के लिए निर्देशित भी किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम जन समस्याओं के समाधान पर त्वरित कार्यवाही का प्रयास निरंतर कर रहा है। आधुनिक पद्धति का उपयोग करते हुए गाजियाबाद नगर निगम हाईटेक हो गया है, समस्याओं के समाधान में कम्युनिकेशन को मजबूती देने, संयुक्त टीम के साथ कार्य करने, के लिए वॉकी टॉकी उपकरण लाभदायक सिद्ध हो रहा है नगर आयुक्त द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को वॉकी टॉकी इस्तेमाल करने के लिए कहां है तथा उपकरण वितरित किए गए, विभागीय अधिकारी इसी उपकरण के माध्यम से टीम को निर्देशित करते हुए शहर हित में कार्य कर रहे हैं। आपसी समन्वय में सरलता बनी हुई है जलकल विभाग निर्माण विभाग प्रकाश विभाग की टीम भी वॉकी टॉकी के इस्तेमाल से कार्य को रफ्तार देने का कार्य कर रहे हैं।

मौके पर डॉ अनुज उद्यान प्रभारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, प्रकाश प्रभारी कामाख्या प्रसाद आनंद, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ संजीव, व अन्य टीम उपस्थित रही।

सूचना विभाग कार्यालय पर फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 76वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, कार्यालय में एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट और जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट ने इस मौके पर कहा कि संविधान हमें स्वतंत्रता से जीने का अधिकार देता है। हमें चाहिए कि हम अपने अधिकारों का सद्पयोग करना चाहिए। साथ ही संविधान द्वारा हमें प्राप्त हमारी नैतिक जिम्मेदारी का भी पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करना चाहिए। यही हमारी हमारे संविधान के प्रति सच्ची आस्था होगी। जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि हमें गणतंत्र के महत्व को समझना आवश्यक है। गणतंत्र का अर्थ होता है जन एवं प्रशासन। इनके समन्वय से ही देश समृद्ध एवं संचालित होता है। हमें संविधान से मिली अपनी नैतिक जिम्मदारियों का निवर्हन पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ/मान्यता प्राप्त पत्रकार सुनील कुमार, सुरेश चन्द्र आर्य, मौहम्मद इदरीस, रेखा रानी आर्य, राकेश कुमार, नरेश वर्मा, रवि कुमार, करन कुमार सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

निगम ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस, महापौर तथा नगर आयुक्त ने किया ध्वजारोहण शहर वासियों को दी शुभकामनाएं

महापौर ने टॉयलेट इंटीग्रेशन पिंक बस तथा निगम की लिफ्ट का किया उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा ध्वजारोहण कर शहर वासियों को 76 वे गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी, शहीदों को नमन किया गया तथा निगम अधिकारियों तथा पार्षदों ने देशभक्ति के नारे लगाए, नगर आयुक्त द्वारा सभी को संविधान के प्रति जागरुक करते हुए अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया महापौर द्वारा उपस्थित जनों को एकता के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई'

महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा निगम मुख्यालय के साथ-साथ अनेकों कार्यक्रमों में ध्वजारोहण किया गया, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर निगम की लिफ्ट का शुभारंभ किया गया जिसका महापौर के कर कमल द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया, इसके उपरांत महापौर की कर कमल द्वारा टॉयलेट इंटीग्रेशन पिंक बस का भी उद्घाटन किया गया बस कवि नगर जोन अंतर्गत गौर मॉल के समीप स्थापित कराई गई टॉयलेट बस के उद्घाटन से महिलाओं को लाभ मिलेगा शुभकामनाएं दी गई।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा छोटे-छोटे बच्चों को चॉकलेट व उपहार भी दिए गए दुर्गा भाभी चौक पर महापौर नगर आयुक्त तथा राजीव शर्मा पार्षद द्वारा ध्वजारोहण किया गया' नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज मैं भव्य रूप से गणतंत्र दिवस की तैयारी की गई महापौर तथा नगर आयुक्त ने पहुंचकर ध्वजारोहण किया सभी बालिकाओं का उत्साहवर्धन भी किया गया, बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए तथा वेस्ट से बेस्ट की मुहिम को आगे बढ़ते हुए बनाए गए सामानों की प्रदर्शनी भी लगाई गई मौके पर अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र चौधरी नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, अन्य सभी अधिकारी तथा पार्षद गण उपस्थित रहे।

आठ साल में यूपी बना उत्तम प्रदेश, अब उद्यम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर : उप राष्ट्रपति

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को उप राष्ट्रपति ने किया संबोधित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में यूपी उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि वे दृढ़संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति ने महाकुम्भ की चर्चा करते हुए कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की। उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में आयोजित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुम्भ में डुबकी लगाउंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि सीएम योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 2018 से राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का आंकलन करें तो इस प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में लंबी छलांग लगाई है। यह 19वें से दूसरे स्थान आ गया हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि केवल एक मामले में मुख्यमंत्री जी 'दोषी' हैं। वह ये कि यूपी में अपराध के मामले में गति कम हो गई है। अपराध पर कुठाराघात का संदेश पूरे देश में गया है। बीते सात-आठ वर्ष में प्रदेश का निर्यात दोगुना हो चुका है। एयरपोर्ट, मेट्रो की संख्या बढ़ी है। प्रयागराज महाकुम्भ देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। विश्व की कई संस्थाएं इसका अध्ययन कर रही हैं, कि इतना बड़ा आयोजन हो कैसे रहा है। प्रदेश ने जो लक्ष्य 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी का रखा है, वो पूरा होते दिखाई दे रहा है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि बीते 10 साल में जनता को विकास का चस्का लग गया है। यही कारण है कि दुनिया में भारत आज सबसे एस्पिरेशनल देश है। विकसित भारत हमारा सपना नहीं हमारा लक्ष्य है। इसके लिए जो महायज्ञ हो रहा है, इसमें सबसे बड़ी आहुति यूपी की ओर से दी जा रही है। यूपी आज अर्थव्यवस्था में देश में दूसरा स्थान रखता है। अब इसे प्रथम पायदान पर पहुंचना है। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताया। उप राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर से उत्तम की यात्रा यही है नये उत्तर प्रदेश की गाथा। उन्होंने कहा कि हमें हर परिस्थिति में राष्ट्रहित सर्वोपरि रखना है। कोई भी लाभ और लालच राष्ट्रधर्म से ऊपर नहीं हो सकता है। उन्होंने स्वदेसी को अपनाने पर बल देते हुए कहा कि जिन वस्तुओं का निर्माण देश में हो रहा है, उनका आयात नहीं करना चाहिए। साथ ही कच्चे माल को बाहर निर्यात न करने की सलाह दी। उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश में करोड़ों की संख्या में गैर कानूनी रूप से शरणार्थी रह रहे हैं। वे व्यवस्थाओं को चुनौती दे रहे हैं। साथ ही चुनाव के खेल में अपनी हिस्सेदारी बनाने की सोच रहे हैं। पूरी दुनिया इस बारे में सचेत हो चुकी है, हमें भी इसे गंभीरता से लेना होगा। देश की अस्मिता और स्थिरता के लिए हमें इसके खिलाफ कठोर कदम उठाना होगा। अंत में उन्होंने कामना की कि विकास पथ पर बिना किसी अवरोध के आगे बढ़ता रहे। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्रीगण राकेश सचान, जयवीर सिंह, राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, संजय सेठ, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश राजधर्म और जनकेंद्रित शासन की प्रयोगशाला

उप राष्ट्रपति ने कहा कि 26 साल की उम्र में और बीते 26 साल से योगी आदित्यनाथ ने जनसेवा के लिए खुद को दृढ़संकल्प के साथ समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें महंत अवैद्यनाथ के साथ सांसद बनने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि लगातार दो बार मुख्यमंत्री बनने वाले इस प्रांत में केवल योगी आदित्यनाथ हैं। इनका कार्यकाल किसी भी पहले के मुख्यमंत्री से ज्यादा रहा है। कहा कि देश और व्यक्ति के जीवन में ऐसे मौके आते हैं जब हालात चुनौतीपूर्ण हों, तब बात असरदार और धारदार होनी चाहिए। बात से संकेत नहीं स्पष्ट संदेश देना होता है। योगी जी ने एक संदेश दिया कि हम एक नहीं होंगे तो दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं। इस विचार को पूरे देश ने समझा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजधर्म और जनकेंद्रित शासन की प्रयोगशाला बन गया है। एक समय था जब इस प्रदेश की पहचान बीमारू राज्य की थी।

विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे

उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए योगी आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है। पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रांत एक चक्रव्यूह में फंस गया था। संभावनाएं कुंठित हो गई थी। योगी जी ने इसे सुशासन वाले प्रदेश की पहचान दी है। इस प्रगति की चर्चा देश-विदेश में है। इस प्रदेश पर श्रीराम, श्रीकृष्ण, काशी विश्वनाथ और संकटमोचन बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ मठ के महंत इसका नेतृत्व कर रहे हैं। जब नेतृत्वकर्ता मजबूत होता है तो विकास गुणात्मक होता है।

किसान, युवा और उद्यमी उत्तर प्रदेश के विकास के वाहक : राज्यपाल

प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि अपने दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों से यूपी नित नया कीर्तिमान रच रहा है। ये गौरवपूर्ण अवसर है। यूपी ने 2018 से स्थापना दिवस को उत्सव और भव्यता के साथ मनाने की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि यूपी भारत की आत्मा है। यहां धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास के असीमित अवसर हैं। इस पावन भूमि पर भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध और कबीर जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया। प्रदेश में 500 साल बाद भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना और प्रयाग में 144 वर्ष बाद महाकुम्भ हो रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पर्यटन की दिशा में यूपी अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब कल्याण के कार्य हुए हैं। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में अभिनव कदम उठाए गये हैं, जो अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरक बने हैं। आज यूपी अपने प्राचीन गौरव को बनाए रखने के साथ विकास के नये आयाम पर पहुंचा है। किसान, युवा और उद्यमी उत्तर प्रदेश के विकास के वाहक हैं।

प्रदेश की छह विभूतियों को मिला उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान

प्रदेश के विकास और गौरव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले छह विशिष्ट व्यक्तियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। इनमें वाराणसी के कृष्णकांत शुक्ल, वृंदावन मथुरा के उद्यमी एवं पर्यावरणविद् हिमांशु गुप्ता, कानपुर के कृषि उद्यमी मनीष वर्मा, बुलंदशहर की महिला उद्यमी कृष्णा यादव, बुलंदशहर के ही कृषि विशेषज्ञ कर्नल सुभाष देशवाल, और बहराइच के केला उत्पादन विशेषज्ञ डॉ. जय सिंह शामिल हैं। इन सभी को उपराष्ट्रपति द्वारा 11 लाख रुपये, प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

सद्ध तपस्वी संत श्री श्री 1008 हरि गिरी महाराज के शिष्य श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में पहुंचे

संत श्री श्री 1008 हरि गिरी महाराज के शिष्यों ने पगडी पहनाकर श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का स्वागत अभिनंदन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

प्रयागराज। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर द्वारा सेक्टर 20 संगम लोअर मार्ग शास्त्री ब्रिज के नीचे कुंभ मेला क्षेत्र में लगाए गए श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में भक्तों का सैलाब उमड रहा है। विश्व भर के संत व भक्त शिविर में पहुंचकर हवन-पूजा-पाठ में शामिल हो रहे हैं। शुक्रवार को चंबल किनारे झोपड़ी बनाकर रहने वाले सिद्ध तपस्वी संत श्री श्री 1008 हरिगिरी महाराज के शिष्य शिविर में पहुंचे और हवन-पूजा-पाठ में शामिल हुए।

उन्होंने शिविर में भक्तों के लिए उपलब्ध सुविधाओं व व्यवस्था की सराहना की और श्री दूधेश्वर पीठाधीश्वर व श्री पंच दशनाम जूना अखाडा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज से भेंटकर पगडी पहनाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। सभी ने कहा कि दूधेश्वर मंदिर व श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज आज पूरे विश्व में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार कर उसे मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि सिद्ध तपस्वी संत श्री श्री 1008 हरि गिरी महाराज शिव स्वरूप ही हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में जहां एक और दहेज, दिखावे जैसी सामालिक बुराईयों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं, वहीं नशे के खिलाफ अभियान चलाकर लाखों लोगों को नशा मुक्त कर चुके हैं। उनके प्रयासों से लाखों लोगों के जीवन का कायाकल्प हो चुका है। शिक्षा के प्रति भी वे लोगों को जागरूक कर रहे हैं और लाखों बच्चों को उनके प्रयास से स्कूलों में प्रवेश मिला है। गांवों में वे पुस्तकालय खुलवा रहे हैं। सिद्ध तपस्वी संत श्री श्री 1008 हरि गिरी महाराज ब्रहमलीन सिद्ध संत भोला गिरि महाराज की परम्परा को आगे बढाते हुए सनातन धर्म का परचम पूरे विश्व में फहरा रहे हैं। ऐसे सिद्ध तपस्वी संत 26 जनवरी को प्रयागराज कुंभ के साथ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर में भी पधारेंगे, जो हम सभी के लिए सौभाग्य की बात होगी। संत श्री श्री 1008 हरि गिरी महाराज के जनमेद गिरि गोवदि गोपाल आनंद आनंद गिरि नरेंद्र गिरि दयाल गिरि केशव गिरि महावीर नारायण गिरि करण गिरि महावीर कहाकरण गिरिनारायण गिर ब्रहम गिरि महाराज संजय गिरि महाराज आदि शिष्यों ने महाराजश्री का स्वागत अभिनंदन किया। शिविर में शुक्रवार को देश-विदेश के हजारों भक्तों ने शिविर में चल रहे रूद्र महायज्ञ, रूदाभिषेक, हवन, पूजनए बगलामुखी अनुष्ठान, गायत्री अनुष्ठानए चंडी यज्ञए राम रक्षा स्त्रोत आदि में भाग लिया व महाराजश्री से भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया तथा भोजन प्रसाद ग्रहण किया। श्री दूधेश्वर नाथ महादेव कुंभ मेला शिविर की प्रमुख प्रबंधक साध्वी विष्णु प्रिया गिरि महाराज ने रूद्राभिषेक व रूद्र महायज्ञ कराया। आचार्य नित्यानंद आचार्य आचार्य लक्ष्मीकांत पाढीए अभिषेक पांडे ने हवन-पूजा-पाठ कराया। महंत गिरिशानंद मुकेशानंद गिरि महाराजए महंत मुकेशानंद गिरि महाराज वैद्य के नेतृत्व में की जा रही नर सेवा नारायण सेवा की सभी ने सराहना की।

मौनी अमावस्या पर विशेष इंतजाम, संगम नोज पर भीड़ नियंत्रित करने को उठाए जाएंगे कदम

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भ। महाकुम्भ में मौनी अमावस्या अमृत स्नान के अवसर पर श्रद्धालुओं के सुचारू यातायात और सुरक्षित मूवमेंट के लिए मेला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। 10 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए मेला प्रशासन ने सेक्टर लेवल पर श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिस सेक्टर या जोन में श्रद्धालु आ रहे हैं उसी सेक्टर या जोन से उन्हें वापस भेजा जाए। किसी भी सूरत में उन्हें संगम नोज या किसी अन्य जोन में न जाने दिया जाए। सभी एडीएम, एडिशनल एसपी, सीओ, एसडीएम और सेक्टर मजिस्ट्रेट को उनके कार्यक्षेत्र में रहकर सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मौनी अमावस्या महाकुम्भ का सबसे प्रमुख पर्व है। महाकुम्भ में ।सारी व्यवस्थाएं इसी पर्व को ध्यान में ।रखकर की जाती हैं। इस बार योगी सरकार ने महाकुम्भ को पहले से कहीं भव्य और दिव्य बनाने का जो प्रयास किया है, उसको देखते हुए भरी संख्या में मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं की प्रयागराज में मौजूदगी की संभावना है। सभी को सुविधा के साथ सुगम स्नान कराना मेला प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी को देखते हुए निर्देश दिए गए हैं कि हर सेक्टर और जोन में आने वाले श्रद्धालु अपने गंतव्य स्थान पर उसी जोन से प्रस्थान करें। संगम नोज या अन्य जोन पर 27-29 जनवरी को मूवमेंट कम से कम रखा जाए। लोगों की सुविधा के लिए 12 किमी लंबे घाट का निर्माण किया गया है। उन्हें प्रोत्साहित किया जा रहा है कि जिस घाट पर वो पहुंच रहे हैं, वहीं स्नान करें और फिर वहीं से वापस लौट जाएं। घाटों पर भीड़ न जमा हो, इसके लिए इवैक्युएशन गैंग तैयार की जाएगी। घाटों से भीड़ की सुरक्षित निकासी प्राथमिकता होगी।

बैरिकेटिंग और संसाधन व्यवस्था

इसके अलावा, हार्ड बैरियर और बैरिकेट्स पर शत-प्रतिशत नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संसाधन जैसे रस्से, लाउड हेलर, सीटी, उड़न दस्ते और वॉच टावर की टीमें तैनात की जाएंगी। इन स्थानों पर केन्द्रीय बलों की उपस्थिति और उचित समन्वय पर जोर दिया जाएगा। संस्थानों को होल्डिंग एरिया के रूप में उपयोग करने और जरूरत पड़ने पर अस्थाई पार्किंग क्षेत्रों के विकास के भी निर्देश दिए गए हैं और साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए संस्थानों में रात्रि ठहराव की व्यवस्था की जाएगी। घाटों की अवस्थापना व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है। कासा, पुआल, बोरे, रिवर बैरिकेडिंग, जल पुलिस, वॉच टावर, लाइटिंग, साइनेज, शौचालय, चेंजिंग रूम और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश दिवस राज्य की समृद्धि और गौरव का उत्सव है: सीएम योगी

अगले चार वर्षों में 'वन ट्रिलियन डॉलर' की अर्थव्यवस्था बनेगा उत्तर प्रदेश: सीएम योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को समर्पित उत्तर प्रदेश दिवस का भव्य शुभारंभ लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में हुआ। 24 जनवरी से 26 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय समारोह का उद्घाटन देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) के ई-पोर्टल की लॉन्चिंग की गई और 25,000 युवा उद्यमियों को उनके उद्यम की स्थापना के लिए ऋण और स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

साथ ही प्रदेश छह लोगों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस राज्य की समृद्धि और गौरव का उत्सव है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यूपी में महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। बीते 10 दिनों में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पूज्य संतों के सानिध्य में गंगा स्नान कर पुण्य प्राप्त किया। यह श्रद्धालु यहां से देशभर में एकता का संदेश लेकर जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में निर्मित संविधान 26 नवंबर 1950 को संविधान सभा को सौंपा गया था। इस संविधान को लागू करने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। साथ ही 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश की स्थापना हुई थी। यह दिन हमारे लिए गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है।

आज उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रतीक बन गया है

मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को रेखांकित करते हुए कहा कि 1775 से 1833 तक यह क्षेत्र फोर्ट विलियम (बंगाल) के अधीन था। 1834 में इसे बंगाल से अलग कर आगरा प्रेसिडेंसी बनाया गया और 1836 में इसका नाम नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज पड़ा। 1902 में इसे 'नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज एंड अवध' और 1937 में 'यूनाइटेड प्रोविंसेज' नाम दिया गया। अंततः 24 जनवरी 1950 को इसे 'उत्तर प्रदेश' के नाम से पहचाना गया। आज यह प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रतीक बन गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान से प्रतिवर्ष बनेंगे 1 लाख युवा उद्यमी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2018 में तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक जी के मार्गदर्शन में पहला उत्तर प्रदेश दिवस मनाया गया। आज यह आयोजन अपने 7वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। उत्तर प्रदेश ने इस दौरान कई योजनाओं की शुरूआत की।

पहले स्थापना दिवस में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ODOP) योजना लागू की गई। दूसरे स्थापना दिवस में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना प्रारंभ की गई। अलग-अलग वर्षों में अन्य योजनाओं को भी प्रारंभ किया गया। सीएम योगी ने कहा कि आज के इस अवसर पर महामहिम उपराष्ट्रपति के कर कमलों से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का शुभारंभ हो रहा है। इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को उद्यमी बनने का अवसर मिलेगा। 21 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। पहले चरण में 5 लाख तक का ऋण और दूसरे चरण में 10 लाख तक का ऋण दिया जाएगा। इस योजना के तहत अब तक 27,500 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, और 254 करोड़ का ऋण स्वीकृत किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि 2016-17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये की थी, जो अब 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। अगले 4 वर्ष के अंदर प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर के इकोनॉमी के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बिना भेदभाव के शासन की योजना को पहुंचाने का काम चल रहा है। गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिला प्रत्येक के विकास के लिए उत्तर प्रदेश में योजनाएं संचालित हो रही हैं। सभी जनजातीय बंधुओं तक हंड्रेड परसेंट सैचुरेशन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। कानून व्यवस्था, निवेश, टूरिज्म और आधारभूत संरचना में सुधार कर उत्तर प्रदेश आज देश के विकास इंजन के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जीरो पावर्टी' लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में सर्वेक्षण चल रहा है। हमारा प्रयास है कि अगले वर्ष जब हम उत्तर प्रदेश दिवस मनाएं, तब हर गरीब के पास सिर छिपाने के लिए छत हो, जमीन का पट्टा हो, आयुष्मान कार्ड और पेंशन जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध हों।

उन्होंने कहा कि हम जाति, भाषा या क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर हर गरीब और वंचित को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रदेश तेजी से प्रगति की राह पर बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी आध्यात्मिक विरासत को सहेजते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाकर प्रदेश को निवेश का बेहतरीन गंतव्य बनाया गया है। यह देश का फूड बास्केट बन चुका है। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और मेट्रो नेटवर्क के मामले में यह देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस राज्य की ऐतिहासिक यात्रा, सांस्कृतिक धरोहर और उपलब्धियों को समर्पित एक महत्वपूर्ण आयोजन है। प्रदेश तेजी से प्रगति की राह पर बढ़ रहा है। सरकार की योजनाएं और प्रयास उत्तर प्रदेश को 'उद्यमियों का प्रदेश' और देश के विकास का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इस तीन दिवसीय समारोह ने न केवल प्रदेशवासियों को अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करने का अवसर देगा, बल्कि भविष्य के लिए नए सपनों और उम्मीदों का संचार भी करेगा। उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 6 विशिष्ट व्यक्तियों को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, जयवीर सिंह, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ, विधायक राजेश्वर सिंह, जयदेपी, योगेश शुक्ला, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत कई गणमान्य व अधिकारीगण मौजूद रहे।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

संसदीय समितियों में सहमति की बजाय हो रहा हंगाम

संसदीय समितियों से अपेक्षा की जाती है कि जिन विधेयकों पर सदन में सहमति न बन पाए, उन पर कानूनी दृष्टि से विचार-विमर्श कर सुझाव पेश करें। कई बार कुछ विधेयकों या कानूनों में संशोधनों पर विपक्ष आपत्ति उठाता और उन्हें संयुक्त संसदीय समिति में विचार की मांग करता है। ऐसा इसीलिए होता है कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता पर सबको भरोसा होता है। संवैधानिक भावना यह है कि संसदीय समितियों को सत्तापक्ष के दबदबे से दूर रखा जाए, ताकि विचार के लिए आए विषयों पर तार्किक और निष्पक्ष ढंग से विचार हो सके। मगर पिछले कुछ समय से जिस तरह संयुक्त संसदीय समितियों में हंगामे देखे गए हैं, उससे उनकी प्रासंगिकता पर ही सवाल उठने लगे हैं। वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति में एक बार फिर हंगामा हुआ और उसके अध्यक्ष ने दस विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया। विपक्षी सांसदों का आरोप था कि अध्यक्ष सरकार के इशारों पर काम कर रहे हैं और वे विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं देना चाहते। इसकी लिखित शिकायत भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को भेजी है। दरअसल, सरकार ने वक्फ कानूनों में संशोधन का विधेयक तैयार किया है। उसके मुताबिक वक्फ के फैसलों को भी अदालत में चुनौती दी जा सकती है। फिर, कोई भी ऐसी जमीन, जिसे दान में नहीं दिया गया है और वहां मस्जिद या अन्य इबादतगाह बनाई गई है, तो उसे अवैध कब्जा माना जाएगा। दरअसल, इस संशोधन को लेकर मुसलिम धर्मगुरुओं, नेताओं और विपक्ष ने आशंका जाहिर की थी कि सरकार नए संशोधन कानून के जरिए वक्फ की संपत्ति पर कब्जा करना चाहती है। इसलिए सदन में बिना बहस के ही सरकार ने उस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विचार के लिए भेज दिया था। समिति को अपने सुझाव बजट सत्र में पेश करना है। मगर जिस तरह समिति की बैठकें हंगामे की भेंट चढ़ती रही हैं, उससे नहीं लगता कि कोई सर्वमान्य फैसला हो पाएगा। इस संशोधन विधेयक के खिलाफ कई मुसलिम संगठन भी संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विरोध जता चुके हैं। किसी संयुक्त संसदीय समिति में जब भी अध्यक्ष सत्तापक्ष का होता है, तो ऐसे विवाद की गुंजाइश बनी ही रहती है। वक्फ कानून वैसे भी संवेदनशील विषय है, इसलिए अगर इस पर राजनीतिक नफे-नुकसान के मद्देनजर विचार रखे जाएंगे, तो उनके निष्पक्ष रहने का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार के पिछले कार्यकाल के वक्त भी संसदीय समितियों के गठन और उनके अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर खासा विवाद उठा था। जिन समितियों के अध्यक्ष पद पर सत्तापक्ष के किसी सांसद को नहीं नियुक्त किया जाना चाहिए, उन पर भी सत्तापक्ष काबिज हो गया था। तब भी संसदीय समितियों की प्रासंगिकता पर सावल उठे थे। संयुक्त संसदीय समिति में हर दल और पक्ष के लोग रखे ही इसलिए जाते हैं, कि वहां किसी विवादित विषय पर हर कोण से विचार-विमर्श हो सके और एक सर्वमान्य, सर्वहितकारी कानून बनाया जा सके। मगर शायद यह मकसद अब गौण मान लिया गया है और इन समितियों को भी राजनीतिक रस्साकशी का मंच बना दिया गया है। इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। अध्यक्ष और विपक्षी दलों को भी आपसी सहमति बनाने की कोशिश करनी चाहिए, वरना संयुक्त संसदीय समितियां एक दिखावा भर बन कर रह जाएंगी।

टोल प्लाजा घोटाले में मिलीभगत से उठते सवाल

देशभर के 13 राज्यों के टोल बूथों से 120 करोड़ रुपए के घोटाले के खुलासे ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। हैरत की बात यह है कि यह खेल पिछले दो साल से हो रहा था लेकिन जिम्मेदारों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इतने बड़े पैमाने पर टोल प्लाजा के कंप्यूटरों में एनएचएआई के सॉफ्टवेयर जैसा दूसरा सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने जैसी करतूत मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। वह भी तब, जब टोल प्लाजा एनएचएआई के तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में रहते हैं और चौबीसों घंटे सभी टोल प्लाजा सेंट्रल सर्वर से जुड़े रहते हैं। एसटीएफ ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया वे भी सीधे-सीधे टोल प्लाजा से ही जुड़े हैं। बिना फास्ट टैग के टोल से गुजरने वाले वाहनों से दोगना टोल वसूलने का प्रावधान है। इस रकम का 50 फीसदी टोल राशि वसूलने वाली निजी कंपनी या ठेकेदार को मिलता है। शातिर दिमाग की उपज देखिए कि जिस सॉफ्टवेयर से यह टोल वसूला जाता था, उसमें पूरा पैसा निजी कंपनी या ठेकेदार हजम कर रहे थे। खास बात यह भी कि इस सॉफ्टवेयर से निकाली गई टोल टैक्स की पर्ची हूबहू एनएचएआई जैसी ही होती थी। एनएचएआई को शक न हो इसलिए बिना फास्ट टैग के गुजरने वाले वाहनों में से केवल 5 फीसदी को ही एनएचएआई सॉफ्टवेयर पर बुक किया जाता। आइटी और अन्य कर्मियों के बीच इस राशि को बांटा जाता था। इस घोटाले के मुख्य आरोपी ने 42 टोल प्लाजा पर यह सॉफ्टवेयर आखिर कैसे इंस्टॉल किया होगा? जिन 42 टोल प्लाजा पर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया उसके सॉफ्टवेयर से प्रतिदिन एक टोल प्लाजा पर 45 हजार रुपए का गबन होता है। इस प्रकार दो साल में इस गैंग ने अनुमानित 64.80 अरब रुपए से अधिक का गबन किया है। अभी देशभर के 158 टोल प्लाजों की जांच बाकी है। मोटे अनुमान के अनुसार अब यह घोटाला 200 अरब से ऊपर का हो सकता है। सिस्टम में सेंध लगाकर करोड़ों-अरबों की ठगी से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने वालों ने यह दुस्साहस दिखा दिया है कि सरकारी संस्थानों के बड़े-बड़े आइटी एक्सपर्ट्स की सतत निगरानी को भी वे धता बता सकते हैं। साइबर ठग हो या सरकारी कोष में पहुंचने वाली रकम को अपने खाते में पहुंचाने वाले, सब एक तरह से सिस्टम को चुनौती देते ही नजर आते हैं। बड़ी वजह यह भी है कि सतर्कता उपायों को मजबूत करने के बजाए ऐसी घटनाएं सामने आने पर ही समाधान का रास्ता निकालना शुरू होता है। सतर्कता कम और लापरवाही ज्यादा हो तो इस तरह के घोटालों को रोकना मुश्किल होने लगेगा।

गणतंत्र दिवसः स्वर्णिम भारत का पर्याय है सांस्कृतिक विरासत

भारत में वर्ष 2025 में 76 वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। संविधान लागू हुए 75 वर्ष पूरे हो गए। गणतंत्र दिवस 2025 की थीम/प्रसंग है- 'स्वर्णिम भारत-विरासत और विकास'। गणतंत्र दिवस 2025 के मुख्य अतिथि के तौर पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो को चुना गया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किया गया था। इसे 22 जनवरी 1947 को स्वीकार किया गया था। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाया गया। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में हमारे देश का संविधान लिखा गया। जिसे लिखने में पूरे 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे। 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। गणतंत्र दिवस की पहली परेड 1955 ई. को दिल्ली के राजपथ पर हुई थी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और हर साल 21 तोपों की सलामी दी जाती है। गणतंत्र दो शब्दों से मिलकर बना है। गण और तंत्र। वैदिक काल में गण का शाब्दिक अर्थ था दल/समूह/लोक। तंत्र का शाब्दिक अर्थ होता है डोरा/सूत (रस्सी)। अर्थात ऐसी रस्सी/डोरा, जो लोगों के समूह को जोड़े। लोकतंत्र कहलाता है और यही गणतंत्र है। अतएव हम कह सकते हैं कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान को लागू किये जाने का द्योतक है। संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द बाद में भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी द्वारा भारतीय आपातकाल के दौरान जोड़े गए थे। भारत में

आपातकाल (25 जून 1975 - 21 मार्च 1977) के दौरान, इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान के बयालीसवें संशोधन में कई बदलाव किए थे। इसी संशोधन के जरिए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को 'संप्रभु' और 'लोकतांत्रिक' शब्दों के बीच जोड़ा गया और 'राष्ट्र की एकता' शब्दों को 'राष्ट्र की एकता और अखंडता' में बदल दिया गया। भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक देश है। अतएव भारत में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक दृष्टि से स्वावलम्बन, स्वाभिमानता और समानता परिलक्षित होती है। स्वावलम्बिता, स्वाभिमानिता और समानता के मूल में स्वाधीनता वास करती है। अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, विचारों की स्वतन्त्रता, विश्वास की स्वतन्त्रता, आस्था और पूजा की स्वतन्त्रता स्वतंत्र भारत की पहचान है। अतएव हम कह सकते हैं कि अक्षुण्ण विरासत और विकास की सेतु पर खड़ा सविधान ही भारतीय गणतंत्र व्यवस्था की पहचान है।

आत्मविश्वास का होना ही आपको आत्मनिर्भर बनाता है। भगवद गीता में लिखा है नायं आत्मा बलहीनेन लभ्यः अर्थात यह आत्मा बलहीनो को नहीं प्राप्त होती है। आत्मबल ही आत्मविश्वास की जननी है। आत्मबल और आत्मनिर्भर शब्द एक दूसरे के पूरक हैं। आत्मनिर्भरता, स्वावलम्बी होने को दशार्ता है। स्वावलम्बन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलम्बी अवश्य होना चाहिए। रामराज्य की परिकल्पना मोहनदास करमचंद गांधी की दी हुई थी। गांधीजी ने भारत में अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति के पश्चात ग्राम स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। आत्मनिर्भर भारत की नींव गांधी के रामराज्य पर टिकी थी। गाँधी जी का स्वराज्य, रामराज्य की परिकल्पना का आधार था। स्वराज का अर्थ है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। यही स्वराज्य रामराज्य कहलाया। स्वराज का तात्पर्य स्वतंत्रता से है। बिना आत्मनिर्भर हुए स्वतंत्र नहीं हुआ जा सकता है। आत्मनिर्भरता या स्वावलम्बिता स्वतंत्र होने की एक कड़ी है। जब हम स्वतंत्र होंगे तभी हम स्वाभिमानी होंगे अर्थात स्वाभिमानिता के लिए स्वाधीनता जरुरी है। हिन्दुस्तान को गांधी का रामराज्य चाहिए। राम राज्य भगवान राम के पुरुषार्थ और शासन का द्योतक है। भगवान राम सहिष्णुता के प्रतीक थे। राम सत्य के प्रतीक थे। तभी तो भगवान राम ने रामराज्य स्थापित किया था। आज आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात हो रही है और वहीँ दूसरी ओर विदेशी कम्पनियाँ और विदेशी सामान की हिन्दुस्तान में बाढ़ आ गई है। प्रत्येक संस्था का निजीकरण होता जा रहा है। बेरोजगारी बढ़ रही है। आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ा है। यदि स्वावलम्बन, समानता और स्वाभिमान की बात करनी हो तो गांधी के रामराज्य की कल्पना करनी होगी। अतएव हम कह सकते हैं कि स्वतन्त्रता, गांधी के रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित होनी चाहिए। सभी राजनैतिक पार्टियों को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के विचारों को आत्मसात करने की जरुरत है। वास्तव में भारत तभी स्वावलम्बी और स्वाभिमानी बन पाएगा। भारत को रामराज्य की परिकल्पना अपने पूर्वजों या पुरखों से विरासत में मिली हैं। रामराज्य की परिकल्पना रूपी विरासत को संजोकर रखने की जरुरत है। अयोध्या का राम मंदिर अपनी सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय उदाहरण है। भगवान-राम की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम मंदिर को पुनर्जीवित करना ही अपनी विरासत को सम्हालने का एक अच्छा उदहारण है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस पुण्य कार्य का श्रेय जाता है। किसी भी देश की विरासत उस देश के विकास की आधारशिला होती है। पुरखों से प्राप्त वस्तु, सम्पत्ति आदि को विरासत कहा जाता है। पूर्वजों द्वारा प्राप्त की गई वस्तु या संपत्ति आदि को ही विरासत कहा जाता है। विश्व में भारत अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक दृष्टिकोण से स्वर्णिम स्थान रखता है। भारत विविध धर्मों, जातियों, भाषाओं, और संस्कृतियों का देश रहा है। भारत में मुख्यतः निम्नलिखित विरासतें हैं:-1.सांस्कृतिक विरासत 2.प्राकृतिक विरासत 3. मिश्रित विरासत। सांस्कृतिक विरासत दो प्रकार की होती है- मूर्त संस्कृति और अमूर्त संस्कृति। सांस्कृतिक विरासत में मूर्त संस्कृति जैसे इमारतें, स्मारक, परिदृश्य, अभिलेखीय सामग्री, किताबें, कला के कार्य और कलाकृतियाँ आदि आते हैं। अमूर्त संस्कृति जैसे लोकगीत, परंपराएँ, भाषा और ज्ञान) और प्राकृतिक विरासत (सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण परिदृश्य और जैव विविधता सहित) शामिल हैं।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी,एक विशेष समाधि अवस्था में,शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर,भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

(ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान-राम का दिव्य जीवन)

...गतांक से आगे भाग -2

महर्षि वशिष्ठ का उपदेश

महर्षि वशिष्ठ ने कहा कि-इस समय जब इन बाल्यों का जन्म हुआ है,यह वायुमण्डल विज्ञानमयी है,यह वायुमण्डल आध्यात्मिकता से तपा हुआ है,आध्यात्मिकता के बिना वायुमण्डल पवित्र नही हो सकता। यह आध्यात्मिकता,त्याग और तपस्या से भरा हुआ होना चाहिये। बिना त्याग व तपस्या के यह आध्यात्मिकता पूर्ण नही हो सकती है। राजा उसे कहते है,जो अपनी इन्द्रियों का राजा होता है। राजा प्रजा पर शासन करने वाले को नही कहते। राजा उसे कहते हैं, जो मन को अपना प्रतिनिधि बना करके इन्द्रियों को उसके वशीभूत का देता है। प्रत्येक इन्द्रिय उसमें रत्त हो जाती है। उस समय वह अधिराज कहलाता है। मेरी अन्तरात्मा तो यह कहती है कि ये जो शिशु है,इनकी प्रत्येक इन्द्रियां समाहित होती हुई आपस में रत्त रहे,शिशुओं की अन्तरात्मा की पुकार उन्हें प्रेरणा देती रहे,और उनका जीवन में हृदय,आत्मीयता की तरंगें राष्ट्र को सुखद बनाती रहे, पूर्ण रूप से राष्ट्र समाज व शरीर को पनपाने वाले रहें। महर्षि वशिष्ठ अपने इन शब्दो से उपदेश दे कर अपने पुरोहित के आसन से निचले भाग में विराजमान हो गये,क्योंकि वहां पर इनसे भी बड़े तपस्वी व ब्रह्मवेता विराजमान थे।

महर्षि विभाण्डक मुनि का उपदेश

महाराजा दशरथ ने कहा कि-अब में महर्षि विभाण्डक मुनि महाराज जी से प्रार्थना करता हूं,कि वे भी इन बाल्यों के संदर्भ में अपने कुछ उदगीत गायें और अन्तरात्मा की जो प्रतिभा है उसका वर्णन

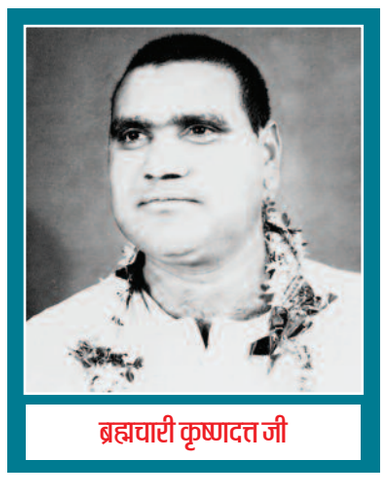

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

करें। तो महर्षि विभाण्डक जी उपस्थित हुए,उपस्थित हो करके मंगलं गान गाया,गान गाने के पश्चात उन्होंने उदगान गाया कि-आज इस सभा में उपस्थित हो करके मेरा अन्तरात्मा बड़ा प्रसन्न हो रहा है। राजा दशरथ के चारों राजकुमारों का जन्म हुआ है,और उनका नामकरण भी घोषित हुआ है। मेरा हृदय तो यह कह रहा है कि आत्मा का कोई नाम नही होता,आत्मा तो एक चेतना है,जो सब शरीरों में व्याप्त हो रही है। जब यह आत्मा कहीं वायुमण्डल में भ्रमण करती हुई किसी माता के गर्भस्थल में प्रवेश करती हैं,तो सर्वत्र देवता माता के शरीर में प्रवेश कर जाते है। सर्वत्र देवता माता के शरीरों में प्रविष्ट होते हुए, माता-पिता के संकल्प मात्र से पुत्र या पुत्री माता के गर्भ में आते है। आत्मा ने पुत्र होता है न पुत्री होता है और न उसका नामकरण होता है। इस संसार में आने के पश्चात शरीर का नामकरण किया जाता है।

महर्षि विभाण्डक ने कहा-हमारी अन्तरात्मा बड़ी प्रसन्न है, इस अयोध्या राष्ट्र में जो राजा हुए है मनु से लेकर सगर इत्यादि इसी वंश में हुए,जिनकी निष्पक्ष परम्परा रही है। उनके राष्ट्रों में वैदिकता का उदघोष रहा है,इसी प्रकार इन बाल्यों को ऐसा संस्कार होना चाहिये,जिससे यह अयोध्या राष्ट्र पवित्र बना रहे। माता-पिता का कर्तव्य है,कि आत्मा को चेतनित करते रहे, अपने में अपनेपन की आभा में निहित होते हुए आत्म चिन्तन की और अग्रसर हों। मैने इस संसार को बहुत दृष्टिपात किया है,माताओं का अपने अपने पुत्रों के सम्बन्ध में भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण रहा है। मेरी प्यारी माता ने यह उपदेश दिया कि तुझे ब्रह्मवेता बनना है,इस संसार के वैभव में नही रहना है,मेरी माता यह कहकर शान्त हो गयी थी।

वे विचार आज तक हमारे हृदय में प्रतिभाषित हो रहे है, जिससे यह आध्यात्मिकवाद,उत्पादवाद नाना प्रकार के रूपों में एक रस बना रहें,यह वाक्य उच्चारण करके मै अपने हृदय से यह कामना कर रहा हूँ कि इनकी आयु दीर्घ बनी रहे,जिससे यह राष्ट्रवाद ऊंची आभा में रत होता रहे। यह उच्चारण करके महर्षि विभाण्डक मुनि शान्त हो गयें।

क्रमशः .....

वक्त के साथ बदलने से इनकार करता विपक्ष, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य से मिलते संकेत

देश में विपक्षी खेमा शायद ही कभी इतना दिशाहीन एंव दायित्व से विमुख रहा हो, जैसा इस समय है। विपक्ष की दयनीय दशा का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में किसी विपक्षी दल को औपचारिक रूप से नेता-प्रतिपक्ष का पद हासिल करने लायक सीटें भी प्राप्त नहीं हुईं। बीते आम चुनाव में विपक्ष की स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ, लेकिन लगता नहीं कि विपक्षी नेताओं ने इससे कोई सबक लिया है। यदि ऐसा होता तो नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी यह नहीं कहते कि वह मोदी सरकार के साथ-साथ भारतीय राज्य से भी लड़ रहे हैं। इससे उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के साथ अंध मोदी विरोध भी प्रकट होता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार के रचनात्मक विरोध की है कि वह सरकारी नीतियों की निगरानी एवं उन्हें जनोपयोगी बनाने में अपनी भूमिका निभाए, लेकिन मौजूदा विपक्ष ने सरकार के अंधविरोध की राह अपनाकर उसका दायरा भारतीय राज्य के खिलाफ मुहिम छेड़ने तक कर दिया है। हैरानी नहीं कि विपक्षी दल अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों से यह स्पष्ट भी हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को कुछ तात्कालिक झटका जरूर लगा था, मगर उसने उससे सबक लेकर अपनी रणनीति को सुसंगत बनाया और सफलता हासिल की, जबकि विपक्षी दलों ने अपनी छोटी सी बढ़त भी गंवा दी।वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य यही संकेत करता है कि उन दलों का अब कोई भविष्य नहीं, जो खुद को राष्ट्रहित से नहीं जोड़ पा रहे। इसी कारण वंशवादी दल सिकुड़ रहे हैं। देश के समक्ष मुख्य समस्या भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद एवं तुष्टीकरण की है। इन समस्याओं से केवल भाजपा और उसके सहयोगी दल ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। विपक्षी दल स्वयं को समय के साथ परिवर्तित करने में असफल हो रहे हैं।

वे संपत्ति का सृजन करने वालों को अनावश्यक रूप से निशाना बना रहे हैं। वे उन कम्युनिस्ट देशों की ओर भी नहीं देखते, जिन्होंने देश-काल और परिस्थितियों के अनुरूप अपना रवैया बदला। इसी कारण वे सफल भी रहे। चीन और रूस जैसे कम्युनिस्ट देशों ने भी पूंजीवाद को अपनाया। इससे वहां के दलों के राजनीतिक वजूद को भी कोई खास नुकसान नहीं हुआ। कुछ साल पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एक शीर्ष नेता से यह सवाल पूछा गया

था कि आप पूंजीवाद को आगे क्यों बढ़ा रहे हैं? उस नेता का जवाब था- हम समाजवाद की रक्षा के लिए पूंजीवाद अपना रहे हैं। उधर रूस ने भी ऐसी ही बदली हुई नीति अपनाई और सोवियत संघ के विघटन के उपरांत खुद को नए सिरे से गढ़ा। अपने देश में भी जयप्रकाश नारायण और डा. राममनोहर लोहिया ने देशहित में समय-समय पर अपनी रणनीतियां बदलीं और उसमें सफल भी हुए। डा. लोहिया पहले एकला चलो के पक्षधर थे, लेकिन 1964-65 तक आते-आते उन्होंने जरूरत देखकर गैर-कांग्रेसी दलों को एक मंच पर लाने का काम किया, क्योंकि 50 प्रतिशत से भी कम वोट लाकर भी कांग्रेस लगातार सत्ता में बनी हुई थी।

जयप्रकाश नारायण ने भी जब बिहार आंदोलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जनसंघ का साथ लिया तो उनकी आलोचना हुई, लेकिन उन्होंने देश के व्यापक हित में उन आलोचनाओं को नजरअंदाज किया।

एक मंच पर लोहिया की ओर संकेत करते हुए फर्नांडिस ने कहा था कि कम्युनिस्टों से तालमेल करोगे तो अपना मुंह काला कराकर आओगे। इस पर लोहिया बोले थे कि नहीं तालमेल करोगे तो तुम्हारा मुंह डबल काला होगा। आखिरकार तालमेल हुआ। राजनीति में लचीलापन बहुत जरूरी है। कुछ लोगों द्वारा कट्टर हिंदू के रूप में चित्रित किए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चढ़ाने के लिए चादर भेजते हैं। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेता न तो एक समय सोमनाथ मंदिर गए और न ही आज के उसके नेता अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए गए।

जाना बंद कर दिया है। दरअसल कांग्रेस का पूरा जोर अल्पसंख्यकों के बीच अतिवादी तत्वों के तुष्टीकरण पर है। वह भी तब, जब पार्टी के दिग्गज नेता रहे एके एंटनी ने पार्टी हाईकमान से यह अपील की थी कि वह हिंदुओं से भी निटकता दिखाए, क्योंकि सत्ता में आने के लिए मुसलमान मत ही पर्याप्त नहीं हैं।

याद रहे कि 2014 में करारी हार के बाद एंटनी को ही हार के कारणों की पड़ताल का जिम्मा सौंपा गया था, जिसमें मुस्लिमों के प्रति अत्यधिक झुकाव एक प्रमुख कारण सामने आया। पता नहीं उनकी संस्तुतियों पर कांग्रेस आलाकमान ने कितना ध्यान दिया, लेकिन एंटनी के बेटे अनिल एंटनी का जरूर कांग्रेस से मोहभंग हो गया और उन्होंने भाजपा के टिकट पर केरल से लोकसभा चुनाव भी लड़ा।

असल में कांग्रेस ने अपनी समावेशी एवं आदर्श रूप से सेक्युलर छवि बनाने के बजाय उन प्रतिबंधित संगठनों के साथ भी गलहबियां कीं, जिनकी कड़ियां पीएफआइ तक से जुड़ी रहीं। पहले राहुल और अब प्रियंका जिस वायनाड सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रही हैं, वहां भी कांग्रेस को मुस्लिम लीग से तालमेल करना पड़ा।

यह किसी से छिपा नहीं कि देश को तमाम भीतरी एवं बाहरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में विपक्षी दलों से यही अपेक्षा की जाती है कि वे सरकार का अंधविरोध छोड़कर अपनी सार्थक भूमिका के साथ न्याय करें। नीतियों पर सरकार को घेरें तो आवश्यक मुद्दों पर उसका सहयोग भी करें।

याद रहे कि 1962, 1965 और 1971 के चीन और पाकिस्तान के साथ युद्धों में विपक्षी दलों ने एकाध अपवाद को छोड़कर खुले दिल से तत्कालीन केंद्र सरकारों का साथ दिया था, लेकिन आज उलटा दिख रहा है। कई बार तो विपक्ष की गतिविधियां चीन और पाकिस्तान जैसे बिगड़ैल पड़ोसियों का मनोबल बढ़ाने वाली होती हैं। यह कहीं से भी उचित नहीं है।

एक मंच पर लोहिया की ओर संकेत करते हुए फर्नांडिस ने कहा था कि कम्युनिस्टों से तालमेल करोगे तो अपना मुंह काला कराकर आओगे। इस पर लोहिया बोले थे कि नहीं तालमेल करोगे तो तुम्हारा मुंह डबल काला होगा। आखिरकार तालमेल हुआ। राजनीति में लचीलापन बहुत जरूरी है। कुछ लोगों द्वारा कट्टर हिंदू के रूप में चित्रित किए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चढ़ाने के लिए चादर भेजते हैं। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेता न तो एक समय सोमनाथ मंदिर गए और न ही आज के उसके नेता अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए गए।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

कहानी-

मैं भी मां हूं किसी की

डॉ राधा बिष्ट

अंश भविष्य का कोख में आ गए,दिन महीने बीत गए। ना कोई चिट्ठी ना पतरी भेजी,ना कोई भेजा संदेश ,दो नयन तुम्हारे नैनों के मेरी अपनी प्रतिबिंबित छवि सजा गए।एक पुत्र रत्न, कन्यादान मेरी गोद में सजा गए ।घर, समाज की उलाहनाएं, उलझने, ताड़ना, प्रताड़ना से भी मैं अटूट रही। छवि तुम्हारी इन राहों में देखती रही। बाजू से उठा रही, सावन घटा सी बिखर गई। जैसे बाजुओं में सिमटती गई थी ,नर्तन करती रही थी, झूमती प्रफुल्लित हो झूलती रही, झूलती रही थी।

सीमा स्वयं से बातें कर रही थी कि मैं भी मां हूं किसी की। हां, मैं भी हूं मां किसी की। कोई तो बना था पति मेरा,भले ही एक रात का, प्रीति की कसम दिलाई थी और खाई थी, पूर्ण रूप से समर्पित हो प्रेम लुटाया था। उस एक रात की रानी थी मैं।उस दिन खिल उठी थी, खुशी-खुशी, खुशी से, खुशी के लिए, खुश होकर, पहले सिंदूर से मांग मेरी मंदिर में भरी थी। सपने बहुत दिखाये, उज्जवल भविष्य के सपने संजोए बैठी, कंगना पहन, हाथों में चूड़ी चढ़ाई थी।

दुल्हन अपनी बनाया, लाल साड़ी का जोड़ा पहनाया, ऊपर से ओढ़नी चुनर सिर पर चढ़ाया,घर ले जाऊंगा, घर वालों से मिलवाऊंगा। दुल्हन सी सज धज के पिया संग घर सजाने के सपने संजोए थे, अपनी सुंदर सी बगिया में फूल खिलाए थे। मिलन धरा अंबर सा था, रूप सजाया,फूलों की तरह खुशबू फैलाया। नयनों में प्रेम की रंगीनियत, रोम रोम मुस्काया था। कुछ दिन,कुछ लम्हे, सुनहरे पल बिताए थे।रस्म निभाई,सपनों की सेज सजाई। फर्क इतना था कि ना ढोल नगाड़े,ना बाराती बारात लेकर आए, नातेदार रिश्तेदार की ना चहल पहल यानी चहल कदमी ही थी,ना हंसी-मजाक की ध्वनि सुनाई दी।

पर एक अटूट विश्वास स्नेह प्रेम की शहनाई और बाराती थे। सजीले सपने,सच्चे वादे हजार करके नौकरी को चले गए। फिर आऊंगा बाजे गाजे के साथ संग में तुझे ले जाऊंगा,कहकर दिलासा दिला और चले गए।दिन दिन, पल पल, क्षण क्षण बीते, महीने भी कई बीत गए।

अंश भविष्य का कोख में आ गए,दिन महीने बीत गए। ना कोई चिट्ठी ना पतरी भेजी,ना कोई भेजा संदेश ,दो नयन तुम्हारे नैनों के मेरी अपनी प्रतिबिंबित छवि सजा गए।एक पुत्र रत्न, कन्यादान मेरी गोद में सजा गए ।घर, समाज की उलाहनाएं, उलझने, ताड़ना, प्रताड़ना से भी मैं अटूट रही। छवि तुम्हारी इन राहों में देखती रही। बाजू से उठा रही, सावन घटा सी बिखर गई। जैसे बाजुओं में सिमटती गई थी ,नर्तन करती रही थी, झूमती प्रफुल्लित हो झूलती रही, झूलती रही थी। एक तन एक मन होकर एकीकृत प्रणय लोक में विचरती गई । स्वर्ण सी आभा लपेटे जहां से एक रूप, एक स्वरूप, एक प्रेम पाश की डोर से मैं तुम्हारी बंधी थी।एक दूजे की शाम हरितिमामयी को सार्थक करती गई मैं। तुझ में, तू मुझ में, से हम तक पहुंच गए।हम से मैं में दोनों समाहित हुए थे। एक दूजे के प्रेम स्नेह के सागर की एक धार कहां तक पहुंच गई।आज मातृत्व के रूप में निखार, निकल आया है।

देखो,जग वाले क्या-क्या कहते हैं मुझको, दुनियां वालों क्यों कहते हो मुझको बिन ब्याही मां??? क्यों मैं बन गई कुल्टा कुलक्षिणी। क्या क्या विशेषणों से सजाई जाती हूं मैं। गर्भ में पाला रक्त से अपने बच्चों को, धरा पर उतारा। कैसे? नाजायज क्यों कह रहे हैं। तथा कथित पिता वाली संतान की तरह ही तो धरा पर उतरे हैं जैसे तुम्हारी संताने अवतरित हुई हैं । जिनको नाम दिया, पिता तो सबके होते हैं, दी हैं बधाइयां, बजी हैं शहनाइयां।

घर पर मेरे बच्चों के लिए, अरे !नहीं बजी शहनाईयां, नहीं दी मुझको बधाईयां, पर मैं तो उनकी मां हूं,वो मेरे संतान। क्या हुआ ? सूरज ने ताप दिया, चांद ने चांदनी दी,सितारों ने भी चमकते टिमटिमाते रोशनी दी,तुम्हारे बेटे बेटी की तरह पिता का नाम नहीं जोड़ा तो क्या हुआ। कोख के रिश्ते खोखले क्यों हो गए? जिसके संग में इनके पिता का नाम नहीं जुड़ा। इनका पिता कोई तो होगा। मैं नाम क्यों बताऊं???... खोखले क्यों हो जाते हैं, परिवार से रिश्ते। सबके आने की राह, जाने की राह सबकी एक है, फिर भी भाव भावना में इतना अंतर क्यों ।बिन ब्याही मां तुम कहते हो पर मां तो मां होती है। वक्ष स्थल से दुग्ध अमी तो तुम्हारी बहू बेटी पत्नी बहन के दुग्ध बन अमि सा ही निकला । मेरे लाल भी यूं ही पीकर बड़ा हुआ है। कन्या मेरी भी यूं ही पली है।

सीमा कुछ बुदबुदाती हुई फिर स्वयं से कहती है।मैं उनको बड़े होकर समझाऊंगी।मैं तुम्हारी मां हूं, मां तुम्हारी ही कहलाऊंगी। जग की बेपरवाही की परवाह किए बिना, कुल्टा, कलंकन्नी कहने वालों से मैं खुद लड़ जाऊंगी। जग में बच्चों को अपने अकेले ही पाल कर सबसे ऊंचा नाम दिलाऊंगी। मैं बिन ब्याही मां हूं भी तो क्या हुआ। मैं हूं किसी की मां, हां में हूं किसी की मां। उच्च शीर्ष स्थान तक पहुंचाऊंगी, शान से जीवन जीना बतलाऊंगी। तभी उसकी छोटी बहन उसकी बड़बड़ाना सुनकर, आती है इसे जगाती है पर वह गहरी नींद में सो रही उठती नहीं फिर एक जग पानी डाल देती है। चौंकती हुई चिल्लाती हुई सीमा उठ बैठी। अरे क्या सपना वह देख रही थी। पर समाज से यह प्रश्न तो पूछने का सवाल तो बनता है। तौलिए से मुंह को पोछती है, दौड़ा कर अपनी बहन को मारने जाती है। दोनों जोर से खिल खिल के हंसते हैं और उधर उनका भाई भी जाग जाता है। यह सपना सीमा ने जरूर देखा लेकिन जीवन की वास्तविकता को समझना चाहिए।सभी लोगों को संवेदनाएं सबके लिए समान रखनी चाहिए।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में होगा

प्रज्ञान विश्वम् पत्रिका का लोकार्पण

डॉ श्वेता सिंह 'उमा'
चेअरपर्सन वॉयस ऑफ मॉस्को, रूस

पंडित चंद्रशेखर शास्त्री
संपादक, यूपी ऑब्जर्वर

जयप्रकाश पांडेय
अपर सचिव, संघ लोकसेवा आयोग, नई दिल्ली

डॉ भावना कुंअर
संपादक, ऑस्ट्रेलियांचल, ऑस्ट्रेलिया

डॉ अमरनाथ 'अमर'
साहित्यकार, मीडिया एडवाइजर

संजय गुप्ता
संपादक, अपनी दिल्ली

ओंकारेश्वर पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार, सदस्य सेंसर बोर्ड, भारत सरकार

डॉ राधा बिष्ट
जर्मनी

डॉ शंभू पंवार
वरिष्ठ पत्रकार चिड़ावा, राजस्थान

प्रवीण चौहान
संपादक, समकालीन चौथी दुनिया

प्रगीत कुंअर
वरिष्ठ साहित्यकार, ऑस्ट्रेलिया

राजमणि
वरिष्ठ साहित्यकार

अतुल वीएन चतुर्वेदी
संपादक, इटावा टाइम्स, इटावा

पंडित सुरेश नीरव
प्रधान संपादक, प्रज्ञान विश्वम्, भारत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। वॉयस ऑफ मॉस्को की चेयर पर्सन प्रवासी साहित्यकार डॉ श्वेता सिंह 'उमा' के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केन्द्रित बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम् के विशेषांक का भव्य लोकार्पण आगामी 09 फरवरी को, प्रातः 10.30 बजे रायसीना रोड, नई दिल्ली स्थित, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मैक्समूलर सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव करेंगे। समारोह में संघ लोकसेवा आयोग के अपर सचिव प्रतिष्ठित साहित्यकार जयप्रकाश पांडेय, दूरदर्शन के पूर्व वरिष्ठ कार्यक्रम निदेशक एवं मीडिया सलाहकार तथा भारत सरकार के भारतेन्दु हरीशचन्द्र सम्मान से विभूषित डॉ अमरनाथ 'अमर', भारत सरकार के फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य, वाक्सैन यूनिवर्सिटी के एक्जूक्वेटिव मेंबर तथा कॉमनवेल्थ थॉटलीडर्स फोरम के संस्थापक वरिष्ठ पत्रकार ओंकारेश्वर पांडेय, प्रतिष्ठित पत्रकार और राजधानी से प्रकाशित समाचार अपनी दिल्ली के प्रधान संपादक संजय गुप्ता, इटावा उत्तर प्रदेश से दूरदर्शन के जिला प्रतिनिधि तथा साप्ताहिक पत्र इटावा टाइम्स के संपादक अतुल वीएन चतुर्वेदी, अध्यात्मवेत्ता और यूपी ऑब्जर्वर समाचारपत्र के संपादक चंद्रशेखर शास्त्री,राजस्थान से वर्डरिकार्ड धारक पत्रकार एवं लेखक डॉ शंभू पंवार,पुरातत्व संग्रहालय भारत सरकार के पूर्व उपनिदेशक प्रतिष्ठित व्यंग्यकार राजमणि,सिडनी ऑस्ट्रेलिया से ऑस्ट्रेलियांचल पत्रिका की संपादक डॉ भावना कुंअर, प्रवासी कवि प्रगीत कुंअर, समकालीन चौथी दुनिया के संपादक प्रवीण चौहान, आकाशवाणी के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार अरुण कुमार पासवान, प्रतिष्ठित कवि राजेश प्रभाकर, उमानाथ त्रिपाठी, प्रदीप भट्ट, राजेश रघुबर, उमंग सरीन, वीणा अग्रवाल तथा अन्य अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार इस समारोह में सम्मिलित होंगे। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा।

वैदिक काल की ज्ञान परम्परा, गुरुकुल परम्परा

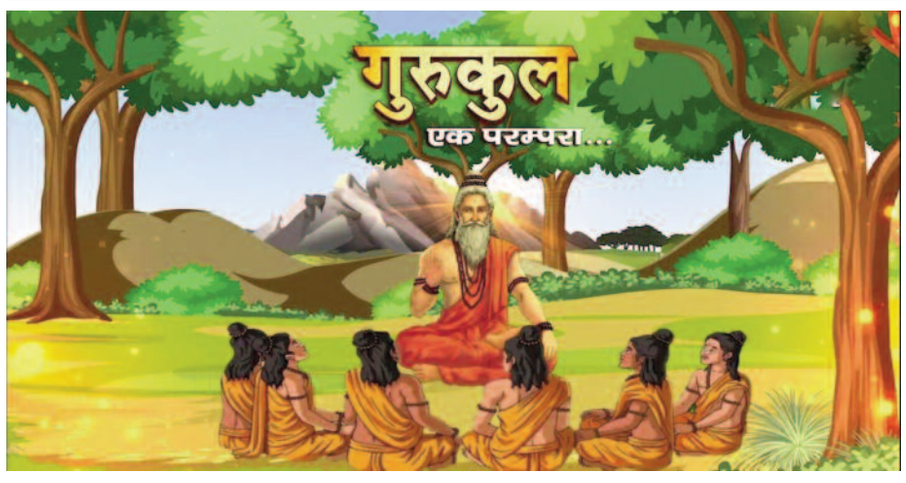

गुरुकुल शिक्षा प्रणाली भारत की अनूठी शिखा प्रणाली थी जो गुरु शिष्य परंपरा पर आधारित थी। गुरुकुल में शास्त्र ज्ञान से लेकर शस्त्र ज्ञान तक हर प्रकार के ज्ञान की महत्ता थी और शिष्यों को हर प्रकार से श्रेष्ठ बनाया जाता था। प्रकृति के स्नेह में शिक्षा प्राप्ति, शिष्य का समग्र विकास व खेल,योग और कला ज्ञान ही गुरुकुल का आधार है। इसे शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग माना गया है। प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने का मुख्य कारण शिष्यों के बीच भाईचारे, मानवता, प्रेम और अनुशासन को बढ़ाना है। इसी कारण से उस समय के ज्ञानी हर प्राणी की भावना को समझते थे प्रत्येक प्राणियों से लगाव रखते थे। आज इस ज्ञान की, इस समझ की कमी दिखाई देती है। आज की शिक्षा प्रणाली आपसी स्पर्धा को जन्म देती है जो मनुष्य को भी ठीक प्रकार से समझने नहीं देता वो प्रकृति के अलग जीवों को समझने में कैसे सहायता कर सकता है।

गुरुकुल में केवल सूखा तत्व ज्ञान ही नहीं बल्कि प्रायोगिक तत्व ज्ञान भी दिया जाता था और यह केवल गुरुकुल व्यवस्था में ही संभव है जहां शिष्य अपने गुरु के साथ ही रहकर गुरुकुल में पढ़ाई करता था और उनसे सही आचरण व आत्मनिर्भर बनना सीखता था। गुरुकुल का अर्थ ही गुरु का कुल होता है और कुल अर्थात शिष्यों से बना परिवार। यहां शिष्यों को शिक्षा, नैतिक मूल्य और जीवन कौशल का ज्ञान गुरुओं के निर्देशन में मिलता था। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में विज्ञान की इस बात को माना गया है कि बच्चे सुनने से ज्यादा देखकर सीखते हैं। वे अपने गुरुओं के आचरण को अपनाते हैं।

यह आज की शिक्षा व्यवस्था से बिल्कुल भिन्न है। आज बच्चे अपने मां बाप से बाहरी लोगों से उनके अच्छे बुरे आचरण दोनों सीख जाते हैं और गलत संगत में आकर अपना चरित्र अपनी मानसिकता सब खराब कर लेते हैं। वैदिक काल की इस परंपरा में समाज में उस समय मौजूद वर्ण व्यवस्था का कोई असर नहीं था यहां ब्राह्मण का जान पर अधिकार शूद्र के बराबर ही था, कोई भेद भाव भी नहीं किया जाता था।

बालिकाओं को भी शिक्षा बालकों के साथ ही दी जाती थी जो इस बात का प्रमाण है कि हमारे प्राचीन भारतीय समाज में स्त्री पुरुष के बीच कोई असमानता नहीं थी ये कुरीतियां भारत पर हुए आक्रमणों के कारण हो थी। इस शिक्षा प्रणाली की एक बहुत खास बात थी कि यहां हर शिष्य को निःशुल्क शिक्षा दी जाती थी। गुरुकुल का सारा खर्चा समाज उठता है जिससे गरीबी शिक्षा का रोड़ा नहीं बनती। आज की शिक्षा प्रणाली व्यावसायिक बन चुकी है। प्राचीन भारत में कई गुरुकुल हुआ करते थे जैसे तक्षशिला जहां वेद, वेदांग, अष्टादस पुराण, शिल्प व्याकरण और दर्शन प्रमुख विषय थे, नालंदा जिसका पुस्तकालय विशाल था और यहां विदेश से विद्यार्थी गुरुकुल पद्धति में पढ़ने आते थे।

कविता- **माटी का दीया**

डॉ रत्नेश्वर सिंह

बड़े प्यार से, जतन से जलाया था
माटी का एक दीया,
इस उम्मीद में कि उसके आस-पास
के तमाम बुझे हुए दीए जल जाएं
मिट जाए अंधेरा,
विखर जाए रौशनी
चारों ओर।
रौशनी जो अमीर - गरीब नही देखती
रौशनी जो हिन्दू -मुसलमां नही देखती
रौशनी जो बैकवर्ड - फॉरवर्ड नही देखती
रौशनी जो कैटलिस्ट -कम्युनिस्ट नही देखती
वह छिटकती है,
समान रूप से सब ओर।
मगर आज रौशनी को
अंधेरे में तब्दील कर देना
चाहते हैं चन्द लोग,
बम के धमाकों से
भंग करना चाहते हैं
आवाम की शान्ति चन्द लोग,
अब रौशनी अंधेरे में तब्दील न हो
अब भंग न आवाम की शान्ति,
इसलिए जरुरत है
हांथ में कलम उठाने की
माटी का एक दीया जलाने की।

गजल- **धूप खिली है आंगन में**

मजहर कुरैशी 'मजहर'

धूप खिली है आंगन में
और अंधेरा है मन में

उम्र के थप्पड़ हैं मुंह पर
क्या देखें हम दर्पण में

प्यार न कुर्बां हो जाए
तेरी मेरी अनबन में

दर्द झलकता है अक्सर
तेरी हंसी की खनखन में

इतनी तो रुसवाई न थी
दाग हैं जितने दामन में

ये तो बताओ कब कैसे
आन बसे मेरे मन में

काश के हम वो हो पाते
जैसे थे हम बचपन में

शहरों में दम घुटता है
मजहर चलते हैं बन में

नज्म- **दिल का रिश्ता**

अमीना खातून

इक रिश्ता जो तुमसे है जोड़ा... 2
अपनापन और चाहत का।
हर उन रिश्तों से उम्दा और...
पाकीजा है ये दिल का रिश्ता।
इक रिश्ता जो तुमसे है जोड़ा...

तेरी चाहत तेरी इनायत...
मेरे लिए ये तेरी मुहब्बत।
जब से मैंने पाया है तुमको...
तुममें रब को, रब में तुमको...
देखा है और पहचाना है।
लख लख शुक्र है उस रब का!!
इक रिश्ता जो तुमसे है जोड़ा...

मेरी खुशी की खातिर हर दम...
जाने कितने जतन तुम करते हो!
मेरे दुःख के काँटों को चुनकर...
खुद को घायल तुम करते हो।
तेरा तहफ़्फुज पाकर मैंने...
हर साँस लिया है राहत का।
इक रिश्ता जो तुमसे है जोड़ा...

इस धरती से उस अंबर तक...
कण-कण के जड़ चेतन तक।
फूलों में खुशबू लहरों में मौजें...
और फि जाओं के रंग में शोखी,
चंचल मदमस्त हवाओं में भी...
सुनती हूँ 'सदा' तेरी आहट का!!
इक रिश्ता जो तुमसे है जोड़ा...
अपनापन और चाहत का!!

कुछ ऐसा है गणतंत्र हमारा

न किसी यंत्र से न तंत्र से
ये देश चले गणतंत्र से
सबसे उन्नत, सबसे बढ़कर
बना है ये सबसे ही बेहतर
भीम हैं इसको रचने वाले
गणतंत्र जिसे हम कहने वाले
चलता है अब देश हमारा
गणतंत्र की अनमोल शिला पर
इसमें लिखे अनुच्छेदों में
सबको मिला है हक बराबर
जात-पात और लिंग को इसमें
जरा भी ना दी गयी, रियायत
इसीलिए गठजोड़ में रहता
है ये पूरा अखंड भारत
खुश है, हर शख्स यहां पर
क्योंकि है गणतंत्र यहां पर
और आज नहीं ये वर्षों से है
मैं सच कहूं, आजादी से है
तब से लेकर अब तक इसने
दशा नहीं, दिशा भी बदली
रहता था जो बिखरा-बिखरा
है देश मेरा अब निखरा-निखरा
आखिर गण का है ये तंत्र
है इसीलिए जन-जन स्वतंत्र
एक, अखंड व सम्प्रभुता का
बना प्रतीक ये, है समता का
रहे है मिल-जुलकर ये भारत
कुछ ऐसा है गणतंत्र हमारा

यू.पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद पृष्ठ के साहित्य संपादक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार कवि पंडित सुरेश नीरव हैं।

उत्तर प्रदेश दिवस पर जनपद में हुआ ऐतिहासिक व भव्य कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम के शुभारम्भ से समापन तक रही समारोह व प्रदर्शनी में भीड़, आगुन्तकों ने सेल्फी पॉईन्ट पर ली सेल्फी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के अनुपालन में जिला प्रशासन द्वारा हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में पूरे उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ उत्तर प्रदेश दिवस–2025 मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्बोधन लाइव प्रसारण के माध्यम से देखा गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से आनन्दमयी हुए दर्शक

हिन्दी भवन में आयोजित कार्यक्रम व समारोह का मुख्य अतिथि द्वारा गणमान्यों की उपस्थित में द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभाम्भ किया गया। मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत पौधा व सम्मान चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि को दशार्ने वाले कार्यक्रम, सरस्वती व गणेश वंदना, कथक, भरतनाट्यम, महाकुंभ से सम्बंधित प्रस्तृतियां, गायन, सितार वादन, शास्त्रीय नृत्य सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। सांस्कृतिक कार्यक्रमों दर्शक से आनन्दमयी हुए, जिनकी तालियों की ध्वनि से सभागार गूंज उठा।

प्रदर्शनी देख बोले सांसदः आयोजनकर्ताओं ने किया सराहनीय कार्य

हिन्दी भवन परिसर में विभागों द्वारा लगभग 23 स्टॉल लगायी गयी। जिसमें भगवान बिरसा मुण्डा जी की 150वीं जयन्ती पर आधारित प्रदर्शनी, बेटी बचाओ–बेटी पढाओ नारी सुरक्षा आदि, मिशन शक्ति पर आधारित प्रदर्शनी, श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी शताब्दी वर्ष पर आधारित प्रदर्शनी, ओ०डी०ओ०पी० के अन्तर्गत जनपद के उत्पादों की प्रदर्शनी एवं उत्पादों का विक्रय, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर आधारित प्रदर्शनी, इनवेस्ट उत्तर प्रदेश द्वारा वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी पर आधारित प्रदर्शनी, प्रगतिमान उत्तर प्रदेश पर आधारित प्रदर्शनी, आपातकाल पर आधारित प्रदर्शनी, जनपद की कला संस्कृति एवं इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी, काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित प्रदर्शनी, जनपद के पर्यटन एवं पौराणिक स्थलों की प्रदर्शनी, महापुरूषों, महान क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की प्रदर्शनी एवं सभी विभागों द्वारा अपने–अपने विभाग की योजनाओं से सम्बन्धित प्रदर्शनी लगायी गयी। इस मौके पर राष्ट्रीय बालिका दिवस पर प्रदर्शनी व सेल्फी पॉइन्ट भी बनाया गया, जहां आगुन्तकों द्वारा सेल्फी ली गयी। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर छात्राओं को सम्मानित किया भी किया गया। मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग द्वारा सभी प्रदर्शनियों का अवलोकन किया गया। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस पर ऐसा भव्य व सुन्दर आयोजन ऐतिहासिक, आयोजनकताओं ने सराहनीय कार्य किया है।

अभिनव गोपाल ने किया आभार प्रकट

कार्यक्रम के शुभारम्भ में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपला द्वारा सभी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आभार व धन्यवाद प्रकट किया गया। कार्यक्रम का सफल व सकुशल संचालन पूनम शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, सिविल डिफेंस चीफ वार्डन ललित जायसवाल, सभी विभागों के अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया हैं: अतुल गर्ग

मुख्य अतिथि सांसद श्री अतुल गर्ग ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश अब उत्तम प्रदेश बन गया हैं और विकास पथ पर निरंतर अग्रसर है। पहले लोग छोटे—छोटे धार्मिक आयोजन को करने व उनमें जाने से कतराते थे किन्तु आज वर्तमान सरकार के नेतृत्व में महाकुंभ का विशाल आयोजन किया जा रहा है। जहां युवाओं के साथ—साथ, छोटे—बड़े, महिलाएं—वृद्ध सभी निर्भर होकर जा रहे हैं और गंगा स्नान कर पुण्य लाभ कमाते हुए वर्तमान सरकार को साधुवाद दे रहे हैं।

हमें गर्व है कि हम उस उत्तर प्रदेश के वासी हैं: सुनीता दयाल

विशिष्ट अतिथि महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि हमें गर्व है कि हम उत्तर प्रदेश के निवासी है। जो काशी विश्वनाथ, श्रीराम, श्रीकृष्ण की भूमि है, जहां महान वीरों एवं महान क्रांतिकारियों ने जन्म लिया, जहां महान संतों एवं महापुरूषों ने जन्म लिया, हमें गर्व है कि हम उस उत्तर प्रदेश के निवासी है जिसने देश को अनेक प्रधानमंत्री एवं प्रधान नेतृत्व करने वाले नेता दिए। हमें गर्व है कि हम उत्तर प्रदेश के वासी हैं, जहां अयोध्या, मथुरा और काशी है।

लाभार्थियों को किया सम्मानित व पुरस्कृत

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में इन्टरमीडिएट–2024 टॉप–25 मेधावी छात्राओं को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। साथ ही लखपति दीदी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व अधिकारी/कर्मचारियों, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों, ओडीओपी के लाभार्थियों को टूलकिट, सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को चैक व पंजाब नेशनल बैंक द्वारा सराहनीय कार्य करने हेतु डीजीएम पीएनबी को पुरस्कार, कृषि विभाग द्वारा प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र, कौशल विकास मिशन द्वारा लाभार्थियों को टैबलेट, जिला ग्रामोद्योग द्वारा प्रधानों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु पुरस्कार सहित अन्य विभागों द्वारा लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, चैक सहित अन्य पुरस्कार दिये गये। कार्यक्रम के अंत में समारोह को सकुशल सम्पन्न कराने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने दिल्ली बवाना सीट पर की कई नुक्कड़ सभाएं

बोले दिल्ली के विकास के लिए मोदी और भाजपा की सरकार जरूरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार सर गर्मी तेज हो रही हैं और चुनाव प्रचार तेज हो गया है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप भी लगातार बवाना सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रविंद्र इंद्र राज के लिए प्रचार कर रहे हैं और नुक्कड़ सभाएं कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने बवाना विधानसभा क्षेत्र में कई नुक्कड़ सभाएं आयोजित की और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की कार्यकताओं और आम जनता से अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा है कि दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी और मोदी की सरकार आएगी, तो दिल्ली का विकास अधिक होगा। दिल्ली का जो बीते 10 सालों से विकास का रथ आगे नहीं बढ़ा है वह पुनः रफ्तार पकड़ेगा। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप लगातार दिल्ली विधानसभा चुनाव में दस्तक दे रहे हैं। वह बवाना विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रविंद्र इंद्रराज के लिए वोट मांग रहे हैं। जनता से अपील कर रहे हैं की जनता दिल्ली में भाजपा की सरकार को चुने ताकि बवाना और आसपास के इलाकों का विकास और भला संभव हो। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के षड्यंत्र से त्रस्त हो चुकी है। दिल्ली के लोग अब बदलाव चाहते हैं और इसीलिए भारतीय जनता पार्टी का चुनाव करना चाहते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप लगातार दिल्ली विधानसभा चुनाव की बवाना सीट पर एक्टिव हैं। लगातार जनसभाएं कर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे हैं। इसके साथ ही नुक्कड़ सभाएं और अलग-अलग इलाकों में जाकर वह भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने का भी काम कर रहे हैं। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि इस बार दिल्ली में आम आदमी पार्टी को जनता टाटा बाय-बाय करके भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलने वाली है।

प्रदेश सरकार की ओर से लखनऊ में समरकूल ग्रुप के सीएमडी संजीव गुप्ता को किया गया राज्य पुरस्कार से सम्मानित

तीन माह पूर्व भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संजीव गुप्ता को सौपें थे तीस करोड़

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के एम एस एम ई विभाग के द्वारा आयोजित वृहद प्रदेश स्तरीय एक समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता को राज्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। उत्तर प्रदेश में इलैक्ट्रिकल श्रेणी में यह राज्य पुरस्कार केवल समरकूल होम एप्लायंसेज लिमिटेड गाजियाबाद को ही प्राप्त हुआ है।

बेहतर उत्पादन एवं रोजगार का सृजन करने के लिये समरकूल को यह पुरस्कार दिया गया है। लखनऊ में आयोजित इस समारोह में उत्तर प्रदेश में उधोगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के स्थापित उघोगपतियों को राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राज्य पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया है। ताकि प्रदेश में रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित किये जा सकें। लगभग तीन माह पूर्व भी गाजियाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता को समरकूल की ग्रोथ एवं उत्पादन विस्तार के लिए तीस करोड़ रुपए का चैक सौंपा था।

राज्य पुरस्कार मिलने पर संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि लगभग एक वर्ष पूर्व समरकूल ने प्रदेश सरकार की ओर से लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर समिट में भाग लिया था। जिसमें समरकूल ने भी प्रदेश सरकार के समक्ष इन्वेस्टमेंट का एक बड़ा करार साईन किया था। इसी कड़ी में समरकूल ने अपनी उत्पादन की क्षमता एवं गुणवत्ता के साथ साथ रोजगार सृजन के मानदंडों को स्थापित करते हुए। प्रदेश में इलैक्ट्रिकल श्रेणी में राज्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपना स्थान बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा राज्य पुरस्कार प्रदान किये जाने पर संजीव कुमार गुप्ता ने मुख्यमंत्री एवं एम एस एम ई विभाग का धन्यवाद देते हुए कहा कि पुरस्कार पाकर उनमें, कुछ कर गुजरने का हौसला पहले से ज्यादा बुलंद हुआ है। जिसका परिणाम आपको समरकूल की तेजी से बढती ग्रोथ के रूप में देखने को मिलेगा। चूंकि यह सरकार सदैव उधोग जगत के हितों को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है। तथा आज प्रदेश में भयमुक्त माहौल है। जिसके फलस्वरूप आज उत्तर प्रदेश में बड़े बड़े उधोगों को लगाने की होड सी मची हुई है।

शहर विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में शहर में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

शहर में विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कर विधायक संजीव शर्मा ने देश के शहीदों को नमन किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शहर विधायक व भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में रविवार को 76 वां गणतंत्र दिवस शहर में धूमधाम से मनाया गया। वे शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए और सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। विधायक संजीव शर्मा ने आहवान किया कि देश के शहीदों को कभी ना भूलें और उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज व देश सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें।

भाजपा के नेहरू नगर स्थित महानगर कार्यालय पर ध्वजारोहण कर विधायक संजीव शर्मा व भाजपा के महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि आज के दिन ही वर्ष 1950 में भारत का अपना संविधान लागू हुआ था। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद को एक माला के रूप में इस प्रकार पिरोया कि आज हमारा संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान माना जाता है। हम सभी को गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम देश की एकता अखंडता व भाईचारे को मजबूत करते हुए अपने देश को विश्व गुरू बनाएंगे। विधायक संजीव शर्मा ने आज विभिन्न कार्यक्रमों गगन एन्क्लेव मे ध्वजारोहण,जिला एमएमजी चिकित्सालय मे मरीजों को फल वितरित, और लोगो को सम्बोधित किया..विनीत त्यागी के पटेल नगर सेकंड निवास,वाल्मीकि कुंज पटेल नगर सेकंड, स्मार्ट हॉस्पिटल आर्य नगर में ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया। कन्या वेदिक इंटर कॉलेज में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में विधायक संजीव शर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने छात्राओं को गणतंत्र दिवस की बधाई दी एवं छात्रों को पुरस्कार वितरण किया,साथ ही कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। अतः शिक्षक व अभिभावक उनको इस प्रकार तराशें कि ये बच्चे बडे होकर अपने समाज व देश को विकास के शिखर तक ले जा सकें। बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए जिनकी उन्होंने सराहना की। प्रताप विहार में गजे ठाकुर द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा मैं पहुंच कर देश के महापुरुषों को नमन किया व प्रताप विहार समाज कल्याण संस्था व प्रमिला चौधरी द्वारा आयोजित समारोह में विधायक व महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा को सम्मानित किया गया। आशु शर्मा द्वारा कुमाऊं रामलीला मैदान सेक्टर 11 प्रताप विहार में उन्होंने ध्वजारोहण किया। मातेश्वरी मां अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्होंने मा अहिल्याबाई होलकर को नमन किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति के कार्यक्रमों की उन्होंने सराहना की। एपीएस पब्लिक स्कूल राहुल विहार में पहुंच कर बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए सभी को देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने की शपथ दिलाई। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तु किए।

15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' थीम पर भव्य मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वोट की महत्ता को समझना आवश्यक, मतदान जरूर करें: अभिनव गोपाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा आईएएस के आदेशानुसार जिला प्रशासन व स्वीप के सहयोग से हिन्दी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में स्वीप नोडल अधिकारी / मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल के नेतृत्व में "वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम" की थीम पर भव्य मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा गणमान्यों की उपस्थिति में द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

हमें स्वयं से पूछना चाहिए कि हम वोट डालने क्यों नहीं जाते: अभिनव गोपाल

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल आईएएस ने उपस्थित गणामान्यों को सम्बोधित करते हुए बताया कि जनपद गाजियाबाद में लोक सभा सामान्य निर्वाचन के दौरान मतदाता सूची में जेन्डर और ईपी रेशियों में सुधार हेतु पूर्व जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में किये गये सुधार के कार्यों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार मिला है। उन्होने कहा कि हमारा जनपद विकास के हर क्षेत्र में अग्रणीय है, साथ ही नागरिक जागरूक व शिक्षित है। उन्होने कहा कि ऐसे में हमें अपने मतदाता पहचान पत्र में किसी भी कार्य नाम हटाने, नाम जोड़ने व उसमें शुद्धि के लिए सिर्फ बीएलओ पर निर्भर रहना उचित नहीं है। हम स्वंय मतदाता हेल्प लाईन एप्प के माध्यम से ऑनलाईन यह कार्य स्वयं अपने फोन से कर सकते हैं। यदि हम सभी लोग छोटे–छोटे कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना बंद कर देंगे तो हर क्षेत्र के कार्यों में शत–प्रतिशत सुधार होना मुश्किल नहीं है। पिछले लोक सभा चुनावों में जनपद में 49.80 प्रतिशत मतदान हुआ है। हमें स्वयं से यह पूछने की आवश्यकता है कि हम वोट करने क्यों नहीं जाते? जब हम यह सवाल स्वंय से करेंगे तो हम वोट की महत्ता को समझेंगे। तो इसलिए हमें शपथ लेनी चाहिए कि "वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम"।

शपथ लें कि हम मतदान अवश्य करेंगें: रणविजय सिंह

अपर जिलाधिकारी प्रशासन/अपर जिला निर्वाचन अधिकारी रणविजय सिंह ने कहा कि 25 जनवरी 2011 से पूरे भारत देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। हमारे द्वारा निरंतर मतदाता सूची को शुद्ध करने व नये मतदाताओं को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जनपद में लगभग 16 लाख पुरूष मतदाता व 13 लाख महिला मतदाता हैं। हमारे द्वारा जेन्डर रेशियों और ईपी रेशियों में सुधार कार्य प्रगति पर है। इसमें और अधिक सुधार की आवश्यकता है। हमारी जनपदवासियों से अपील है कि वे जागरूक मतदाता बनकर मतदाता सूची में शुद्धि करने हेतु सहयोग प्रदान करें और शपथ लें कि हम मतदान अवश्य करेंगें।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के अवसर पर गणमान्य अतिथियों को पौधा व पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सरस्वती वंदना, शास्त्रीय नृत्य, मतदाता जागरूकता थीम आधारित प्रस्तुति, नुक्कड़ नाटक, कथक, गायन आदि प्रस्तुतियां दी गयी। इसके साथ ही वृद्ध मतदाताओं, ट्रांसजेन्डर मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं को सम्मानित किया गया। निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले अधिकारियों / कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर युवा मतदाताओं को उनके पहचान पत्र कार्ड दिये गये। सभी कलाकारों, अतिथियों एवं आयोजनकताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी निर्वाचनों में मताधिकार प्रयोग करने हेतु सभी को शपथ दिलाई गयी। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। मंच संचालन डॉ.पूनम शर्मा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, एसडीएम अरूण दीक्षित, एसडीएम चन्द्रेश, बीएसए ओपी यादव, डीआईओएस, चीफ वार्डन सिविल डिफेंस ललित जायसवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सेहत/स्वास्थ्य

महिलाएं अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें ये आयुर्वेदिक पानी, इन समस्याओं से मिलेगी राहत

चावल का पानी आपकी त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा है। यह झुर्रियों और महीन रेखाओं जैसे उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करता है, जिससे आपकी त्वचा जवां और स्वस्थ दिखती है। बालों के लिए, यह बालों के झड़ने को रोकने के लिए एक प्राकृतिक उपाय के रूप में काम करता है, जिससे आपके बाल मजबूत और चमकदार बनते हैं।

एकता

यदि आप एक महिला हैं और अपने स्वास्थ्य, बालों या त्वचा से संबंधित समस्याओं का सामना कर रही हैं, तो अपने आहार में चावल का पानी शामिल करना बहुत मददगार हो सकता है। चावल के पानी से महिलाओं के स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। यह समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है और वाइट डिस्चार्ज जैसी समस्याओं का इलाज कर सकता है। यह पीरियड्स के दौरान होने वाली अत्यधिक ब्लीडिंग को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

इसके अलावा, चावल का पानी आपकी त्वचा और बालों के लिए बहुत अच्छा है। यह झुर्रियों और महीन रेखाओं जैसे उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करता है, जिससे आपकी त्वचा जवां और स्वस्थ दिखती है। बालों के लिए, यह बालों के झड़ने को रोकने के लिए एक प्राकृतिक उपाय के रूप में काम करता है, जिससे आपके बाल मजबूत और चमकदार बनते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आप चावल के पानी का सेवन किस तरह कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्सा भावसार सावलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर चावल के पानी के सेवन के फायदे बताए हैं। उन्होंने बताया कि चावल का पानी चमत्कारी होता है और इसे तंडुलोदक के नाम से जाना जाता है। उन्होंने बताया कि चावल के पानी में स्टार्च भरपूर मात्रा में होता है और इसमें कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

चावल के पानी को बनाने का तरीका

10 ग्राम (1 कटोरी) चावल लें और उन्हें एक बार धो लें। अब इसमें 60-80 मिली पानी डालें और इसे मिट्टी के बर्तन/स्टेनलेस स्टील के कटोरे में 2-6 घंटे के लिए बंद करके रख दें। फिर चावल को 2-3 मिनट के लिए पानी में भिगोएँ, छान लें और यह इस्तेमाल के लिए तैयार है। डॉक्टर दीक्सा ने बताया कि इस चावल के पानी को लोग पूरे दिन पी सकते हैं।

चावल का पानी पीने के फायदे

डॉक्टर दीक्सा ने बताया कि वह अपने श्वेत प्रदर (ल्यूकोरिया) से पीड़ित हर मरीज को ये पीने की सलाह देती हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रकृति में ठंडा होता है। इसलिए यह पेशाब में जलन, दस्त, रक्तस्राव विकारों, भारी मासिक धर्म में भी मदद करता है, हथेलियों और तलवों में जलन को भी कम करता है। इसके अलावा, आप इसका उपयोग अपने चेहरे और बालों को धोने के लिए भी कर सकते हैं। चावल का पानी त्वचा और बालों के लिए अद्भुत काम करता है।

चावल का पानी कई खनिजों और विटामिनों से भरा होता है, जो त्वचा के लिए आश्चर्यजनक परिणाम देते हैं। इसमें 'इनोसिटोल' नामक एक यौगिक होता है जो कोशिका वृद्धि को बढ़ावा देता है और उम्र बढ़ने में देरी करता है। चावल के पानी में एंटीऑक्सीडेंट, मॉइस्चराइजिंग और यूवी किरणों को अवशोषित करने वाले गुण भी होते हैं जो रोमछिद्रों को कसते हैं, पिगमेंटेशन और उम्र के धब्बों को रोकते हैं। इसके अलावा लोग इसे एनर्जी ड्रिंक के रूप में भी पी सकते हैं।

ब्यूटी / फैशन

इलायची की मदद से बनाएं लिप बाम, फटे होंठ नहीं करेंगे परेशान

मिताली जैन

मुलायम और खूबसूरत हर किसी को अच्छे लगते हैं। अमूमन अपने होंठों की देखभाल करने के लिए हम लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप मार्केट से लिप बाम लाने के बारे में सोच रही हैं तो यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। साथ ही साथ, कई बार यह आपके सेंसेटिव होंठों को परेशान भी कर सकता है। इसलिए, आप खुद घर पर ही लिप बाम बनाएं। इसके लिए इलायची का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

इलायची के एंटी-बैक्टीरियल गुणों और नेचुरल सूदिंग गुण, आपके होंठों का अधिक बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं। यह आपके होंठों को अधिक हाइड्रेटेड महसूस करवाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही इलायची की मदद से बनने वाले लिप बाम के तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

इलायची-वेनिला लिप बाम

इलायची का तेल आपके होंठों को रिजुविनेट करने के साथ-साथ पिगमेंटेशन कम होता है। वहीं, कोको बटर नमी को लॉक करता है और सूखे होंठों को आराम देता है।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच बादाम का तेल
1 बड़ा चम्मच कोकोआ बटर
1 छोटा चम्मच बीवैक्स
1/2 छोटा चम्मच वेनिला एक्सट्रैक्ट
4 बूंदें इलायची एसेंशियल ऑयल

लिप बाम बनाने का तरीका-

बादाम का तेल, कोकोआ बटर और बीवैक्स को डबल बॉयलर में पिघलने तक गर्म करें।

वेनिला एक्सट्रैक्ट और इलायची एसेंशियल ऑयल डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

मिश्रण को कंटेनर में डालें और ठंडा होने दें।

इलायची और शहद से बनाएं लिप बाम

कच्चा शहद फटे होंठों को ठीक करता है और नेचुरली नमी प्रदान करता है। जबकि इलायची का तेल स्किन के लिए एक नेचुरल कंडीशनर के रूप में कार्य करता है।

कच्चा शहद फटे होंठों को ठीक करता है और नेचुरली नमी प्रदान करता है। जबकि इलायची का तेल स्किन के लिए एक नेचुरल कंडीशनर के रूप में कार्य करता है। इलायची के एंटी-बैक्टीरियल गुणों और नेचुरल सूदिंग गुण, आपके होंठों का अधिक बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-
1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल
1 बड़ा चम्मच बीवैक्स
1 छोटा चम्मच कच्चा शहद
4 बूंद इलायची एसेंशियल ऑयल

लिप बाम बनाने का तरीका-

डबल बॉयलर का उपयोग करके बीवैक्स और जैतून के तेल को एक साथ पिघलाएं। अब आप इसमें शहद और इलायची आवश्यक तेल मिलाएं। कंटेनर में डालें और कुछ घंटों के लिए छोड़ दें।

पर्यटन

आंध्र प्रदेश का छिपा हुआ खजाना है यह जगह, एडवेंचर प्रेमियों के लिए है जन्नत

आंध्र प्रदेश में स्थित मारेडुमिली घूमने के बाद लगभग पर्यटक आंध्र प्रदेश की कई फेमस जगहों को भूल जाते हैं। आज हम आपको मारेडुमिली की खासियत और इसके आसपास में स्थित कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

दक्षिण भारत देश का एक प्रमुख और बेहद खूबसूरत हिस्सा है। दक्षिण भारत में कई ऐसी हसीन और शानदार जगहें हैं, जहां दुनिया भर से पर्यटक मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं। जब भी दक्षिण भारत में घूमने की बात होती है, तो कई लोग केरल, तमिलनाडु या फिर कर्नाटक का नाम लेते हैं। आंध्र प्रदेश में कई ऐसी शानदार जगहें हैं, जहां पर सैलानियों की नजर से दूर हैं। आंध्र प्रदेश में स्थित मारेडुमिली एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में कम पर्यटक ही जानते हैं। आंध्र प्रदेश में स्थित मारेडुमिली घूमने के बाद लगभग पर्यटक आंध्र प्रदेश की कई फेमस जगहों को भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मारेडुमिली की खासियत और इसके आसपास में स्थित कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सर्दियों के मौसम में घूमने के लिए पहुंच सकते हैं।

कहां है मारेडुमिली

इस जगह की खासियत के बारे में जानने से पहले बता दें कि मारेडुमिली आंध्र प्रदेश में है। यह जगह आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक गांव है। यह गांव पहाड़ों से घिरा है। इसलिए इस जगह को बेहद खास माना जाता है। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती से 774 किमी, राजमहेंद्रवरम से 83 किमी और रेलहेड शहर से करीब 85 किमी की दूरी पर मारेडुमिली स्थित है।

मारेडुमिली की खासियत

मारेडुमिली आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में स्थित है। इस जगह की खूबसूरती चंद मिनटों में किसी को भी मोहित कर सकती है। यहां पर घने जंगल, हरे-भरे खेत, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरने इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। बताया जाता है कि यह जगह आंध्र प्रदेश का छिपा हुआ खजाना है, जो बेहद शांत है। यहां पर कई ऐसी नदियां बहती हैं, जो यहां की खूबसूरती बढ़ाती है। मारेडुमिली को इको टूरिज्म का हसीन खजाना माना जाता है। मारेडुमिली का शांत और शुद्ध वातावरण लोगों को खूब आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए क्यों खास है मारेडुमिली

सैलानियों के लिए मारेडुमिली बेहद खास माना जाता है। माना जाता है कि यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मारेडुमिली में लोगों को यहां की हरियाली सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। पर्यटक सुकून के पल बिताने से लेकर एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए मारेडुमिली पहुंचते रहते हैं। यहां पर घूमने के बाद आप आंध्र प्रदेश की कई फेमस जगहों को भूल जाएंगे।

इन लोगों के खास है मारेडुमिली

एडवेंचर प्रेमियों के लिए मारेडुमिली काफी खास माना जाता है। इस जगह के बारे में कई लोगों का मानना है कि यह बोटिंग, कैंपिंग और बर्ड वॉचिंग जैसी शानदार एक्टिविटीज के लिए जन्नत से कम नहीं है। यह जगह ट्रेकर्स के बीच काफी फेमस है। बताया जाता है कि यहां पर कई ट्रेल्स हैं, जिन पर ट्रैकिंग की जा सकती है। ट्रैकिंग के दौरान आप बेहतरीन और यादगार फोटोग्राफी कर सकते हैं। जह आप मारेडुमिली आएं, तो आप मान्याम व्यूपॉइंट और जंगल स्टार कैंपसाइट जैसी जगहों को एक्सप्लोर जरूर करें।

मारेडुमिली घूमने का सही समय

बता दें कि मारेडुमिली घूमने का सही समय नवंबर से लेकर जनवरी के बीच माना जाता है। वहीं जब देश के अन्य हिस्सों में ठंड पड़ती है, तब यहां का टेंपरेचर 20 डिग्री सेल्सियस से लेकर 25 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। गर्मियों में यहां पर भी बहुत गर्मी पड़ती है।

घरेलू नुस्खे

एक बार घर पर बना लें कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स, सब बार-बार खाने के लिए मांगेंगे, नोट करें आसान विधि

आजकल कोरियन डिशेज खाने का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है। अगर आपने भी आज तक कोरियन डिशेज नहीं खाई हैं तो इस बार कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स बनाकर खाएं। इसे बनाना भी काफी आसान है। आइए आपको कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स की रेसिपी बताते हैं।

दिव्यांशी भदौरिया

भारत में इन दिनों कोरियन खाने का ट्रेंड खूब बढ़ गया है। आजकल सोशल मीडिया पर भी कोरियन खाने की रेसिपीज वायरल होती रहती हैं। कोरियन स्पाइसी नूडल्स को ज्यादातर लोग खाना पसंद करते हैं क्योंकि ये खाने में काफी अलग और बेहद टेस्टी है। यदि आप ने भी कोरियन डिशेज नहीं खाई हैं, तो आप घर आसानी से कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स बना सकते हैं। इसे बनाना काफी आसान है, चलिए आपको रेसिपी बताते हैं।

कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स बनाने के लिए

आपको चाहिए-

- चार उबले मसले हुए आलू
- चार बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर
- एक बड़ा चम्मच तेल
- चार से पांच लहसुन की कटी हुई कलियां
- दो बड़े चम्मच सोया सॉस
- एक बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया
- आधा बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
- आधा छोटा चम्मच सफेद तिल
- एक से डेढ लीटर पानी

कैसे बनाएं कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स

इसे बनाने के लिए चिली पोटैटो बॉल्स बनाने के लिए सबसे पहले कुछ आलू लें और इसे अच्छे से धो लें। फिर इन आलू को अच्छे से उबाल लीजिए। उबालने के बाद इन आलू को मसले लें। अब 4 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर आटा मसले आलू में डाल दीजिए और इसे अच्छे से मिलाएं। आलू का आटा आपका तैयार है।

इस आटे का छोटा-छोटा हिस्सा लें और बॉल्स तैयार कर लें। अब एक पैन में एक लीटर पानी और एक बड़ा चम्मच तेल डालें और इसमें आलू के बॉल्स डालें। फिर इसे कम से कम 10 मिनट तक उबालें। अब इन उबले आलू में धनिया पत्ती. चार लहसुव की कटी हुई कलियां, जो बड़े चम्मच सोया सॉस, आधा बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, सफेद तिल और आधा कप गर्म तेल डालें। सभी को अच्छे से मिलाएं और कोरियाई चिली पोटैटो बॉल्स का मजा लें।

एसआरएम इंस्टीट्यूट में धूमधाम से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस में 26 जनवरी को 76वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। यह अवसर देशभक्ति, एकता और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण को समर्पित है। कार्यक्रम की शुरूआत शानदार शोभायात्रा के साथ हुई, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराया गया और उपस्थित सभी लोगों ने ध्वज को सलामी दी।

राष्ट्रगान की गूंज ने पूरे माहौल को देशभक्ति की भावना से भर दिया। समारोह की शुरूआत पारंपरिक वंदना से हुई, जिसके जरिए मां सरस्वती का आह्वान किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि कर्नल रजत दुबे (कमांडिंग ऑफिसर, मेरठ कैंटोनमेंट) का सम्मान किया गया, जिन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान वक्तव्य सत्र मुख्य आकर्षण रहे। ₹युवा सशक्तिकरण, राष्ट्र सशक्तिकरण₹ विषय पर डॉ. नवीन अहलावत (डीन - एसएंडएच) ने युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की असली ताकत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि युवा अपनी ऊर्जा और कौशल को सही दिशा में लगाएं, तो देश अद्वितीय ऊंचाइयों को छू सकता है। इसके बाद, डॉ. आर. पी. महापात्रा (डीन) ने युवा भारत की शक्ति का अनावरण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि आज के युवा न केवल तकनीकी प्रगति में अहम भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव के वाहक भी हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर

भारत और सतत विकास के लिए युवाओं की भूमिका का विशेष उल्लेख किया। डॉ. एस. विश्वनाथन (डायरेक्टर) ने लोकतंत्र और स्वतंत्रता की भावना का उत्सव' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है और स्वतंत्रता न केवल हमें अधिकार देती है, बल्कि हमारी जिम्मेदारियों को भी रेखांकित करती है। उन्होंने युवाओं को देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण गणतंत्र दिवस संबोधन रहा, जिसे कर्नल रजत दुबे (कमांडिंग ऑफिसर, मेरठ कैंटोनमेंट) ने दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों के महत्व और उनकी निस्वार्थ सेवा पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से देशभक्ति और अनुशासन की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

इसके बाद एनसीसी कैडेट्स के लिए रैंक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स को उनके प्रदर्शन और समर्पण के आधार पर उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया। यह पल गर्व और प्रेरणा से भरा हुआ था।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह को और भी जीवंत बना दिया। छात्रों ने नृत्य, नाटक और गायन के माध्यम से भारत की विविध संस्कृति को दशार्या। योग प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों को स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अंत में, 'राष्ट्र सेवा के उत्कृष्ट योगदान के लिए आभार' विषय पर डॉ. धौम्या भट्ट (डीन - आईक्यूएसी) ने अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने उन व्यक्तियों और संगठनों की सराहना की, जो अपने प्रयासों से देश को सशक्त और मजबूत बना रहे हैं। यह आयोजन न केवल एक यादगार अवसर था, बल्कि इसने सभी को अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाई। एसआरएम संस्थान ने इस अवसर पर सभी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

उत्थान फाउंडेशन ने 76वें गणतंत्र दिवस पर छात्रों और शिक्षकों को किया सम्मानित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। 76वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मोदीनगर के छात्रों और शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के समक्ष अपनी कला और पेंटिंग प्रस्तुत करने के लिए दिया गया। छात्रों ने 5 जनवरी को साहिबाबाद से नई अशोक नगर तक आरआरटीएस (रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) के उद्घाटन के अवसर पर अपनी कलाकृतियां प्रधानमंत्री को भेंट की थीं। आईआईएफए (इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स), मोदीनगर के छात्रों मेघा दीक्षित, आदित्य वर्मा, अनमोल त्यागी, तनीषा, आयुष रस्तोगी, सिद्धार्थ गौतम और शैली शर्मा ने अपनी अद्भुत कला-कृतियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को प्रभावित किया और पूरे शहर का मान बढ़ाया। उनके साथ उनके मेंटर्स और शिक्षक भी शामिल थे, जिन्हें इस अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिसमें इंस्टिट्यूट के प्रबंधक डॉ संघर्ष शर्मा, डॉ रूचि विद्यार्थी, दीपांशु सिंह, प्रीती शर्मा और प्रशांत झा मुख्य रहे।इस सम्मान समारोह में उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि डॉल्फिन पब्लिक स्कूल की छात्रा अनुष्का शर्मा को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। अनुष्का ने आरआरटीएस के उद्घाटन के दिन प्रधानमंत्री के सामने अपनी कविता प्रस्तुत की, जिसे प्रधानमंत्री ने न केवल सराहा बल्कि अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद भी दिए। डॉ. सोनिका जैन ने कहा कि यह सम्मान केवल छात्रों और शिक्षकों के लिए नहीं बल्कि पूरे मोदीनगर के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मौकों से छात्रों को अपनी कला और प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने मे संस्था की महिला सदस्य रूचि गुप्ता, गजाला बारी, कामाक्षी माहेश्वरी, कविता गुप्ता, अलका चौधरी, ज्योति रानी, शिप्रा जैन और रितु कपूर का विशेष योगदान रहा। मोदीनगर की इस सफलता ने साबित कर दिया कि छोटे शहरों के छात्र भी बड़े मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में धूमधाम से मनाया 76वां गणतंत्र दिवस

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में 76वां गणतंत्र दिवस बहुत उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने एन.सी.सी प्रभारी मंजू कन्नौजिया के साथ परेड का निरिक्षण किया और ध्वजरोहन किया। तत्पश्चात डॉ. नूतन सिंह ने शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा, महोदय का संदेश वाचन किया! छात्राओं ने राष्ट्रगान, देशभक्ति गीत और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया।

प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था, जिसके लिए डॉ भीमराव अम्बेडकर और अन्य देशभक्तों का योगदान अविस्मरणीय है। मैं उन सभी महान देशभक्तों को नमन करती हूँ आज उन्ही की बदौलत हम स्वतंत्रत भारत में अपने गणतंत्र दिवस को मना रहे हैं प्राचार्या ने छात्राओं से कहा की युवा देश का भविष्य है आपको चाहिए की आप

अपने जीवन में ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठा को अपनाकर अपने जीवन को सार्थक बनाये व देश का भविष्य उज्जवल करें। महाविद्यालय प्रियदर्शिनी रेंजर्स टीम की छात्राओं को पुरस्कार और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए और जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ सारिका गर्ग ने किया, जबकि मंच सज्जा का कार्यभार शालू तिवारी और स्वीटी ने संभाला। कार्यक्रम की कोर्डिनेटर रहीं डॉ आकांक्षा सारस्वत, डॉ सारिका गर्ग, सुश्री एशवर्या बहुगुणा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की।

श्री रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर निकाली गयी शोभायात्रा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मुरादनगर। अयोध्या में श्री रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में श्री बड़ी रामलीला के तत्वाधान में नगर में एक शोभायात्रा निकाली गई। राधा कृष्ण बड़े मंदिर से प्रारंभ हुई यह यात्रा रावली रोड चुंगी नंबर 3 से मेन बाजार, मेन रोड होते हुए बस स्टैंड स्थित श्री हनुमान मंदिर पर पहुंचकर पूर्ण हुई। शोभा यात्रा में भगवान श्री राम के विग्रह के साथ भगवान का डोला व बैण्ड बाजे के साथ नगर की महिलाएं व पुरुष भजन गाते चल रहे थे। नगर में कई स्थानों पर लोगों ने पुष्पों वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया तथा कई स्थानों पर भंडारे लगाए गए।

लोगों का कहना है कि लगभग 500 वर्षों के बाद अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर बनाया गया है। देश के करोड़ों लोगों की भावना इस मंदिर से जुड़ी हुई है। आज मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूरा होने के बाद देशभर के लोगों में प्रसन्नता का वातावरण है।

इस अवसर पर बुद्धगोपाल

गोयल, मनोज शर्मा, दीपक मित्तल, अंकित गुप्ता, विपिन गर्ग, हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष आयुष त्यागी, नितिन गोयल, ललित गोयल, हरि मोहन गोयल, राजकुमार गोयल, अतुल गर्ग, सचिन गोयल एडवोकेट, गीता चौधरी, ऊषा चौधरी, प्रशांत कंसल, अरविंद गुप्ता, राजू सक्सेना, हरित, सुशील प्रजापति, देवेंद्र गर्ग, विश्रांत कौशिक, अशोक गर्ग, विपिन गर्ग, अम्बरीश अलंकार आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री राम मंदिर अयोध्या की प्रथम वर्ष गांठ पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। माहेश्वरी समाज बेगमाबाद मोदीनगर द्वारा श्री राम मंदिर अयोध्या की प्रथम वर्ष गांठ की पूर्व संध्या पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें माहेश्वरी समाज के सम्पूर्ण परिवार व महिला मण्डल से सभी सदस्य उपास्थित रहे। सेठजी की धर्मशाला रेलवे रोड पर आयोजित कार्यक्रम में विनोद माहेश्वरी सरंक्षक,गौरव माहेश्वरी अध्यक्ष, महेश माहेश्वरी उपाध्यक्ष,रामबाबू माहेश्वरी सचिव, ललित माहेश्वरी कोषाध्यक्ष, संगठनमंत्री सुरेश माहेश्वरी एवं समस्त कार्यकारिणी के सदस्य, मनोज, अजय, लोकेश निकुंज, कुलदीप, प्रवीन रामअवतार, अमित हिमांशू नीरज, सुभाषचंद्र आदि समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अनुष्का का है छाया स्कूल परिवार से पुराना नाता डॉ. अरुण त्यागी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल परिवार की तरफ से प्रधानमंत्री को अपनी कविता से प्रभावित करने वाली मोदीनगर की आन बान शान होनहार अनुष्का शर्मा का छाया स्कूल सभागार में जोरदार स्वागत किया गया।

स्कूल के प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने बताया की छाया स्कूल परिवार से अनुष्का का पुराना नाता है और प्रबंधन व शिक्षकों का प्यार दुलार आशीर्वाद इस होनहार बिटिया पर सदैव रहा है अनुष्का के पिताजी डा संघर्ष शर्मा जो इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं उनका छाया पब्लिक स्कूल से अटूट नाता है वह मेरे प्रिय व सर्वश्रेष्ठ छात्रों में से एक हैं।

आज मुझे यह बताते हुए गर्व व फक्र महसूस हो रहा है कि हमारे बच्चे राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विलक्षण प्रतिभा की अमिट छाप हर मानस पटल पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित कर रहे हैं बुजुर्ग कहते हैं मूल से प्यारा ब्याज होता है तो आज अनुष्का के रूप में वह ब्याज हमें एक

ऐसे मान सम्मान और खुशी की अनुभूति करा रहा है जिसकी कल्पना से ही व्यक्ति विशेष का मन और मस्तिष्क सम्मान से ऊंचा हो जाता है और इसने उसे कल्पना को साकार करके दिखाया है निश्चित रूप से आने वाले समय में यह एक ऐसी अधिकारी बनेगी जो देश की खुशहाली और तरक्की में अपना विशेष योगदान देगी अनुष्का के छाया स्कूल पधारने पर सभी विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य समाजसेवियों ने जोरदार स्वागत किया और उसकी तरक्की और खुशहाली के लिए प्रभु से कामना की इस शुभ अवसर पर महान कथावाचक अरविंद ओझा वैदिक गुरु प्रेमाचार्य जी वरिष्ठ पत्रकार व शहर के गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे विद्यालय प्रबंधक श्री अखिलेश द्विवेदी जी द्वारा आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और उन्होंने कहा की अनुष्का का आत्मविश्वास उसकी जिंदगी के उस मुकाम पर विराजमान करेगा जहां लोगों को देखने में एक विशेष गर्व का अनुभव होगा इस अवसर पर स्कूल के समक्ष छात्र-छात्राएं व शिक्षक गण मौजूद रहे।

भक्तजनों द्वारा चढ़ाये गये वस्त्रों का सदुपयोग मलिन बस्ती में बाँट कर किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नगर प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों का अभिनन्दन करते हैं तथा वो साधुवाद के पात्र हैं। महामाया मंदिर सीकरी खुर्द गांव में भक्त जनों द्वारा चढ़ाये गये वस्त्रों का सदुपयोग मलिन बस्ती में बाँट कर किया। समय भी देखा जाए तो मौसम के हिसाब से समुचित है।सर्दी के मौसम में ये वस्त्र बहुत बड़ी राहत का काम करेंगे। इससे भी बड़ी बात यह है कि महामाया मंदिर का प्रसाद उनको माँ का आशीर्वाद के रूप में प्राप्त हुआ। एक ओर प्रसाद का वितरण तथा दूसरी ओर प्रसाद सुपात्र के द्वारा ग्रहण करना अर्थात्एक अति पुण्य का कार्य सम्पन्न हुआ।

दूसरे उसी मंदिर में चढ़ाई गयी भक्तों के द्वारा शराब को अपने कब्जे में लेकर उपजिलाधिकारी महोदया ने जमीन में दबवा कर नष्ट करवाकर नशा जो समाज के लिये अभिशाप है

नशा बंदी का सकारात्मक संदेश प्रेषित किया। समाज नशे के दुष्प्रभाव से अपरिचित कब है परंतु लत है कि छूटती ही नहीं। लत ऐसी कि पवित्र स्थल, पूजा परिसर,इससे भी बढ़कर जिस मंदिर की मान्यता, आस्था दूर दूर तक प्रसिद्ध है वहाँ पर भक्त शराब का चढ़ावा चढ़ा रहे हैं हम निशब्द हैं। सच तो यह भी है कि हमारे संज्ञान में यह प्रथम बार आया है।हाँजी यह भी कटु सत्य है कि हमने प्रथम अवसर था जब मंदिर परिसर में ही अनेक छोटे बड़े बकरे बंधे देखे थे तब प्रबुद्ध जनों से ज्ञात हुआ था कि ये नवरात्रि पर भक्तों द्वारा बलि देने के लिए देवी को चढ़ाए गए थे।बाद में इनका सेवन होगा। शब्द कम पड़ जाएंगे यदि मांस मदिरा वो भी मंदिर में पर विचार व्यक्त करने में। शक्ति मद की जननी है तो मद हिंसा का जनक है।महामाया मंदिर की गरिमा को निःसंदेह ठेस पहुंचाने के कृत हैं। हम बार-बार वट-वृक्ष के गरिमामयी इतिहास को शिलापट्ट पर अंकित करने के लिए निवेदन करते रहे हैं लेकिन खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि प्रशासन के कान पर जूँ तक नहीं रेंगी। हम स्वयं ही अपनी आस्था पर प्रहार करते हैं और दोष दूसरों पर मढ़ते हैं । धर्म की आड़ में अधर्म क्यों?

फल विक्रेताओं और और नगर पालिका परिषद के बीच हुआ समझौता

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नगर पालिका परिषद द्वारा रुक्मणी मार्केट के सामने काफी समय से स्थापित फल विक्रेताओं और पालिका परिषद के बीच दुकानों को हटाने को लेकर गुरुवार को काफी हंगामा हुआ था। पालिका परिषद ने पूर्व में दो-तीन नोटिस फल विक्रेता को दिए थे, लेकिन आरोप है कि फल विक्रेताओं ने उन नोटिस को अनदेखा कर दिया था। इसी बात को लेकर पालिका परिषद अधिकारी एवं कर्मचारियों ने पुलिस बल के साथ गुरुवार को फल विक्रेताओं के टीन शेड को एक तरफ से

हटाना शुरू कर दिया। जिसको लेकर पालिका परिषद प्रशासन और दुकानदारों के बीच तीखी नोंक झोक हुई। दुकानदारों ने कुछ देर के लिए हाईवे को जाम कर दिया,लेकिन उसे बाद में पुलिस ने समझा कर हटा दिया। शुक्रवार को इसी बात को लेकर नगर पालिका परिषद कार्यालय में पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली जाटव, अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मिश्र तथा सभासदों और दुकानदारों के बीच एक समझौता वार्ता हुई। जिसमें यह तय किया गया कि फल विक्रेता दुकानदार यहां से अपनी दुकानों को हटाएंगे और मोदी शुगर मिल के निकट मुख्य मार्ग पर नाले पर अस्थाई ठिए बनाकर उनको वहां स्थानांतरित किया जाएगा। ठिए उन्हें ही आवंटित होगे जो वर्तमान में फल ठिए लगाए हुए हैं। इस दौरान पूर्व विधायक सुदेश शर्मा भी मौजूद थे। उन्होंने दुकानदारों को समझौते को लेकर सहमति मांगी तो दुकानदार इस पर सहमत हो गए। इस फैसले के बाद दुकानदारों ने अपने ठिए उखड़ने शुरू कर दिए हैं। उधर पालिका परिषद के अधिकारियों और दुकानदारों के बीच अतिक्रमण को हटाने को लेकर हुई हुई नोंक झोंक को लेकर पालिका प्रशासन का आरोप है कि उसके कर्मचारियों के साथ कुछ दुकानदारों ने अभद्रता की थी।

इसके विरोध में आज पालिका परिषद के कर्मचारी व स्टाफ हड़ताल पर रहे। उधर पूर्व विधायक सुदेश शर्मा व कुछ सभासदों ने ईओ और अध्यक्ष से आग्रह किया कि फल विक्रेता अपने ठिए हटा लेंगे,उन पर जो पालिका प्रशासन द्वारा कार्यवाही की गई है उसे वापस ले ली जाए, लेकिन इस संबंध में पालिका प्रशासन द्वारा अभी इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है।